आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक
हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 119 | उज्जैन, रविवार 23 मार्च 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

सम्राट विक्रमादित्य के जीवन और शासन व्यवस्था से जन-जन को अवगत कराना है विक्रमोत्सव का उद्देश्य-मुख्यमंत्री

विक्रमोत्सव के 12-13-14 अप्रैल को नई दिल्ली में होंगे कार्यक्रम

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भारतीय ज्ञान परम्परा से ÷विरासत से विकास'' के ध्येय को देश में साकार कर रहे हैं। भगवान श्रीराम के बाद सम्राट विक्रमादित्य का शासन ही सुशासन की मिसाल स्थापित करता है। प्रदेश सहित देश के विभिन्न भागों में विक्रमोत्सव अंतर्गत हो रहे कार्यक्रम सम्राट विक्रमादित्य के जीवन के विभिन्न पहलुओं और उनकी शासन व्यवस्था से जन-जन को प्रेरित कराने का एक अभूतपूर्व प्रयास है। आगामी 12-13 और 14 अप्रैल 2025 को नई दिल्ली में सम्राट विक्रमादित्य पर केन्द्रित भव्य आयोजन होने जा रहा है। इसमें राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री श्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह को आमंत्रित किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विक्रमोत्सव के संबंध में नई दिल्ली में मीडिया के लिए जारी संदेश में ये विचार व्यक्त किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि न्यायप्रियता, ज्ञानशीलता, धैर्य, पराक्रम, पुरुषार्थ, वीरता और गंभीरता जैसी विशेषताओं के लिए सम्राट विक्रमादित्य का संपूर्ण भारत के साथ ही विश्व में आदर के साथ स्मरण किया जाता है। सम्राट विक्रमादित्य द्वारा विदेशी आक्रांताओं को पराजित कर 2082 वर्ष पहले विक्रम संवत का प्रवर्तन किया गया था। उन्होंने सुशासन के सभी सूत्रों को स्थापित करते हुए अपने सुयोग्य 32 मंत्रियों का चयन किया, इसीलिए उनके सिंहासन को ÷सिंहासन बत्तीसी'' कहा जाता है। सम्राट विक्रमादित्य ने गणराज्य की स्थापना कर लोकतांत्रिक व्यवस्था का क्रियान्वयन आरंभ किया। साथ ही जनता के लिए जवाबदेह नवरतों का मंत्री-मंडल गठित कर ऐसी व्यवस्था की जिसमें राजा नहीं बल्कि नौ मंत्रियों द्वारा लिए गए निर्णयों का शासन द्वारा क्रियान्वयन किया जाता था। सुशासन के लिए वर्तमान में क्रियान्वित मापदंड सम्राट विक्रमादित्य के काल की याद दिलाते हैं।

राणा सांगा को गद्दार कहने पर घिरे सपा सांसद रामजी सुमन, भाजपा ने बताया राजपूतों का अपमान

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सदस्य रामजी लाल सुमन ने संसद में एक ऐतिहासिक राजपूत राजा पर अपनी टिप्पणी से बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है।

गृह मंत्रालय की कार्यप्रणाली पर चर्चा में भाग लेते हुए सपा नेता ने 16वीं शताब्दी के राजपूत राजा राणा सांगा को गद्दार कहा, जिस पर तीखी प्रतिक्रिया हुई है। अपने भाषण के दौरान सुमन ने भारतीय मुसलमानों की ऐतिहासिक वंशावली के बारे में भाजपा द्वारा की जाने वाली लगातार टिप्पणियों पर निशाना साधा। राणा सांगा को कहा गद्दारउन्होंने कहा कि भाजपा नेता अक्सर दोहराते हैं कि मुसलमानों में बाबर का डीएनए है, लेकिन मैं यह बताना चाहूंगा कि भारतीय मुसलमान बाबर को अपना आदर्श नहीं मानते। वास्तव में, बाबर को भारत कौन लाया था? राणा सांगा ने ही उसे इब्राहिम लोदी को हराने के लिए आमंत्रित किया था।सपा सांसद ने कहा कि इस तर्क से, अगर आप दावा करते हैं कि मुसलमान बाबर के औलाद हैं, तो आप भी गद्दार राणा सांगा के औलाद हैं। हम बाबर की आलोचना करते हैं, लेकिन राणा सांगा की नहीं। समाजवादी पार्टी के सांसद की टिप्पणी से विवाद खड़ा हो गया। पूर्व भाजपा सांसद संजीव बालियान ने बयान की निंदा करते हुए इसे राजपूतों का अपमान बताया।

एक तरफ फंड की कमी से जूझ रहा कर्नाटक, दूसरी ओर सरकार ने मंत्रियों-विधायकों का वेतन किया दोगुना

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक तरफ कर्नाटक सरकार फंड की कमी से जूझ रही है। इस बीच राज्य विधानसभा ने शुक्रवार को विधायकों और एमएलसी, मुख्यमंत्री और मंत्रियों के वेतन को दोगुना करने और उनके भत्ते बढ़ाने के लिए दो विधेयक पारित किए।

भत्तों में उल्लेखनीय वृद्धि होगी- इस प्रस्ताव के बाद कर्मचारियों के वेतन और भत्तों में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। लेकिन सरकार द्वारा फंड की कमी की शिकायत के बीच उठाए गए इस कदम की आलोचना हो रही है और इस पर बहस भी छिड़ गई है। बड़ी बात यह रही कि हनी ट्रैप विवाद से जुड़े हंगामे के बीच विधानसभा में विधेयक पारित किया गया।

विधेयक में मुख्यमंत्री के वेतन में वृद्धि होगी- सूत्रों के अनुसार, विधेयक में मुख्यमंत्री के वेतन को 75,000 रुपये से 1.50 लाख रुपये की 100 प्रतिशत वृद्धि और मंत्रियों के वेतन में 60,000 रुपये से 1.25 लाख रुपये की 108 प्रतिशत वृद्धि का प्रस्ताव है। विधायकों के वेतन में 40,000 रुपये से 80,000 रुपये की 100 प्रतिशत वृद्धि होगी।

चीन ने फिर रची नापाक साजिश, लद्दाख में बना रहा दो नई काउंटी; लोकसभा में केंद्रीय मंत्री ने खोली ड्रैगन की पोल

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को संसद में बताया कि भारत को चीन द्वारा दो नए काउंटी बनाने की जानकारी मिली है, जिनमें से कुछ हिस्सा लद्दाख में आते हैं। सरकार ने कहा कि इसका कड़ा विरोध दर्ज कराया गया है।

मंत्री ने चीनी कब्जे पर दिया जवाब- विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा, भारत सरकार ने इस क्षेत्र में भारतीय भू-भाग पर अवैध चीनी कब्जे को कभी स्वीकार नहीं किया है। नए काउंटी बनाने से न तो इस क्षेत्र पर भारत की संप्रभुता के बारे में भारत की दीर्घकालिक और सुसंगत स्थिति पर कोई असर पड़ेगा, न ही चीन के अवैध और जबरन कब्जे को वैधता मिलेगी।

उन्होंने कहा कि सरकार ने राजनयिक माध्यमों से इन घटनाक्रमों पर अपना गंभीर विरोध दर्ज कराया है। मंत्रालय से पूछा गया कि क्या सरकार को लद्दाख में भारतीय क्षेत्र को शामिल करते हुए हॉटन प्रान्त में चीन द्वारा दो नए काउंटी स्थापित करने की जानकारी है, यदि हां, तो इस मुद्दे को हल करने के लिए सरकार द्वारा क्या रणनीतिक और कूटनीतिक उपाय किए गए हैं?

सरकार से किए गए सवाल - प्रश्न में इन काउंटी के निर्माण के खिलाफ भारत द्वारा दर्ज किए गए विरोधों का विवरण और चीनी सरकार से प्राप्त प्रतिक्रियाओं के बारे में भी पूछा गया। यह भी पूछा गया कि क्या सरकार ने अक्साई चिन क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रशासनिक और बुनियादी ढांचे के विकास का मुकाबला करने के लिए कोई दीर्घकालिक रणनीति बनाई है।

कोयला उत्पादन ने सैकड़ा पार किया, जल्द बन सकते हैं निर्यातक; पीएम मोदी ने जताई खुशी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में पहली बार कोयला उत्पादन सौ करोड़ टन के आंकड़े को पार किया है। इसकी जानकारी शुक्रवार को कोयला मंत्री जी कृष्ण रेड्डी ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर देते हुए लिखा कि, एक अरब टन के कोयला उत्पादन को हासिल कर लिया गया है। यह अत्याधुनिक तकनीक और प्रभावशाली प्रक्रिया से संभव हुआ है। यह उपलब्धि हमारी बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने और आर्थिक प्रगति को बना कर रखने में मदद करेगा। पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ऊर्जा सेक्टर में एक वैश्विक लीडर बनेगा।

सौ करोड़ टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य- इसके बाद पीएम नरेन्द्र मोदी ने भी इसे एक बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह ऊर्जा सुरक्षा को लेकर हमारी प्रतिबद्धता को दिखाता है। अगर आंकड़ों की बात करें तो इस साल सौ करोड़ टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य हासिल होने की संभावना काफी पहले से थी।

लोकसभा में कोयला मंत्री ने पहले बताया है कि वर्ष 2023-24 में भारत का कोयला उत्पादन 99.27 करोड़ टन था जबकि इसके पिछले वर्ष 2022-23 में 83.19 करोड़ टन रहा था। कोयला उत्पादन के मामले में वर्ष 2025-26 में 119 करोड़ टन का लक्ष्य रखा गया है।

भारत शुद्ध तौर पर कोयला निर्यातक देश बन सकता है - जबकि देश में ताप बिजली घरों की जरूरत को देखते हुए वर्ष 2030 तक 150 करोड़ टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है।

388 भारतीयों को अमेरिका से भेजा गया भारत वापस, मानव तस्करी को लेकर मोदी सरकार चिंतित

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने शुक्रवार को संसद को बताया कि जनवरी 2025 से अब तक लगभग 388 भारतीय नागरिकों को अमेरिका से वापस भेजा गया है। इनमें से 333 भारतीयों को फरवरी में तीन अलग-अलग उड़ानों से सीधे अमेरिका से भारत भेजा गया।

विदेश राज्य मंत्री ने दी जानकारी- विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने लोकसभा में एक लिखित जवाब में बताया कि अमेरिका ने पनामा के रास्ते वाणिज्यिक उड़ानों से 55 भारतीय नागरिकों को वापस भेजा है।

महिलाओं को मोदी सरकार की बड़ी सौगात, अब पीएम आवास योजना के 75% घर उन्हीं को मिलेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। शहरी क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 में महिलाओं के लिए 2.67 लाख आवास स्वीकृत किए गए हैं । केंद्र सरकार ने दूसरे चरण की शुरुआत करते हुए 3.53 लाख घरों के निर्माण को मंजूरी दी, जिनमें 75 प्रतिशत आवास एकल महिलाओं अथवा ऐसी महिलाओं के नाम पर हैं जिनके पति दिवंगत हो चुके हैं। आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव श्रीनिवास कटिकिथला की अध्यक्षता में केंद्रीय मंजूरी और निगरानी समिति की पहली बैठक में इन घरों के निर्माण को मंजूरी दी गई।

पीएम आवास योजना 2.0 के तहत लाभार्थियों को निर्माण में मदद और साझेदारी में किफायती आवास के घटकों के अंतर्गत 10 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में इन आवासों के निर्माण को मंजूरी प्रदान की गई है। ये राज्य और केंद्र शासित क्षेत्र हैं- उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, बिहार, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, ओडिशा, पुडुचेरी, राजस्थान, तेलंगाना।

कुल स्वीकृत घरों में अनुसूचित जाति के लाभार्थियों के लिए 80,850 घर, अनुसूचित जनजाति के लिए 15,928 और ओबीसी श्रेणी के लिए 2,12,603 घर शामिल हैं। पीएम आवास योजना 2.0 के अंतरगत राज्य के हिस्से के अलावा उत्तर प्रदेश सरकार प्रत्येक वरिष्ठ नागरिक लाभार्थी (70 वर्ष से अधिक आयु के) को 30 हजार रुपये और प्रत्येक अविवाहित महिला (40 वर्ष से अधिक) को बीस हजार रुपये प्रदान कर रही है।

पांच साल में एक करोड़ घर बनाने का लक्ष्य- पति को खो चुकीं अथवा अलग रह रहीं महिलाओं को भी 20 हजार रुपये की अतिरिक्त राशि उत्तर प्रदेश सरकार की ओर प्रदान की जा रही है। इस योजना के तहत अगले पांच साल में शहरी इलाके में एक करोड़ घर बनने हैं। इसके लिए 31 राज्यों और केंद्रशासित क्षेत्रों के साथ सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने संभावित लाभार्थियों को सीधे आवेदन करने की सुविधा देने के लिए एक पोर्टल भी विकसित किया है। इस योजना के लिए दस लाख करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा, जिसमें 2.30 लाख करोड़ की सरकारी सहायता शामिल है।

ग्रीन कार्ड के लिए अमेरिकी नागरिक से की शादी तो होगी जेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। अवैध प्रवासियों पर लगाम लगाने के लिए ट्रंप अलग-अलग पैंतरा अपना रहे हैं। ट्रंप के निशाने पर वो भी प्रवासी हैं, जो ग्रीन कार्ड हासिल करने के लिए धोखाधड़ी करते हुए अमेरिकी नागरिकों को शादी करते हैं। अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) ने इसे संघीय अपराध बताते हुए कहा है कि आरोपियों को इसके गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी है।

एजेंसी ने कहा कि जो व्यक्ति जानबूझकर इमिग्रेशन कानूनों के किसी भी प्रावधान से बचने के लिए शादी करता है, उसे अनुच्छेद 1325 (सी) विवाह धोखाधड़ी कानून के तहत पांच साल तक जेल की सजा हो सकती है।

शादी का नाटक कर मोटे पैसे कमा रहे लोग- बता दें कि अमेरिका में नागरिकता पाने का सबसे आसान तरीका शादी ही है। कई मामले सामने आए हैं जहां, अमेरिका की नागरिकता पाने के लिए विदेशी नागरिक अमेरिकी लड़की से शादी करते हैं फिर तलाक ले लेते हैं। वहीं, कुछ मामलों में अमेरिकी नागरिक पैसा लेकर शादी करते हैं फिर बाद में तलाक ले लेते हैं। ट्रंप प्रशासन के मुताबिक, अब अगर कोई विदेशी व्यक्ति ऐसा करता है तो उसे करोड़ों रुपए तक जुर्माना और निर्वासन का सामना करना पड़ सकता है। एजेंसी ने आम लोगों से भी विवाह धोखाधड़ी या इमिग्रेशन का गलत फायदा उठाने वाले लोगों का सुराग देने को कहा है। अप्रवासियों को लेकर अमेरिका ने जारी की चेतावनी

इसके अलावा अमेरिकी प्रशासन ने अमेरिका में रहने वाले अप्रवासियों के लिए एक चेतावनी जारी की है, जिसने लाखों-करोड़ों लोगों की चिंता बढ़ा दी है।

अमेरिकी सरकार के विभाग ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट किया है। विभाग ने इस पोस्ट में लिखा है, वीजा जारी होने के बाद यू.एस. वीजा स्क्रीनिंग बंद नहीं होती है। हम वीजा होल्डरों की लगातार जांच करते हैं ताकि ये सुनिश्चित हो सके कि वे अमेरिका के सभी कानूनों और इमिग्रेशन नियमों का पालन करते हैं। अगर कोई भी वीजा होल्डर अमेरिका के सभी कानूनों और इमिग्रेशन के नियमों का पालन नहीं करता है तो हम उनके वीजा रद कर देंगे और उन्हें डिपोर्ट कर देंगे।

मैं तो अपने जेब से..., क्या सुनीता विलियम्स को मिलेगा ओवरटाइम का खर्चा? राष्ट्रपति ट्रंप ने दिया जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरिक्ष में करीब 286 दिन बिताने के बाद बुधवार (19 मार्च) को सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर धरती पर वापस आ गए। दोनों अंतरिक्ष यात्री फिलहाल रिहैबिलिटेशन सेंटर पर रखा गया है। करीब 45 दिनों तक दोनों की देखभाल की जाएगी।

इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि अंतरिक्ष में अधिक समय तक रहने के लिए उन्हें ओवरटाइम का भुगतान किया जाएगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने ये भी कहा कि वो अपने निजी फंड से दोनों अंतरिक्ष यात्रियों को ओवरटाइम देंगे।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए ट्रंप कहा, अगर मुझे जरूरत पड़ी है तो मैं इसे अपने ही पैसे से भुगतान करूंगा। मैं एलन मस्क का धन्यवाद करना चाहता हूं क्योंकि सोचिए अगर वो नहीं होते तो क्या होता।

बता दें कि दोनों अंतरिक्ष यात्रियों को NASA के अन्य अंतरिक्षयात्रियों की तरह ही एक मानक वेतन प्राप्त करते हैं। NASA के कर्मचारियों को हफ्ते में 40 घंटे काम करने होते हैं। वहीं, ओवरटाइम, सप्ताहांत या छुट्टियों के लिए अतिरिक्त भुगतान नहीं मिलता है।

कितनी है सुनीता विलियम्स की सैलरी- NASA अपने कर्मचारियों को परिवहन, ठहरने और भोजन का खर्च भी उठाता है। रोजमर्रा के छोटे खर्चों के लिए भी कर्मचारियों को अतिरिक्त राशि दी जाती है। इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, सुनीता विलियम्स को आम तौर पर जीएस -15 वेतन ग्रेड के तहत सैलरी मिलती है। उनकी वार्षिक सैलरी लगभग 152,258 डॉलर यानी लगभग 1 करोड़ 26 लाख रुपये प्रति वर्ष है।

कुत्ते को विमान में चढ़ने से रोका, गुस्साई मालकिन ने एयरपोर्ट के बाथरूम में डुबो के मार दिया बेजुबान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के फ्लोरिडा में एयरपोर्ट के बाथरूम में एक महिला ने अपने कुत्ते को डुबोकर मार डाला। उसने ऐसा इसलिए किया क्योंकि उसे बताया गया कि वह आवश्यक दस्तावेज नहीं होने की वजह से कुत्ते के साथ विमान में नहीं चढ़ सकती।

यह घटना पिछले साल दिसंबर में हुई थी- अधिकारियों ने कहा कि महिला को पशु उत्पीड़न के आरोप में बुधवार को गिरफ्तार कर लिया गया था, हालांकि उसे पांच हजार अमेरिकी डॉलर की जमानत पर रिहा कर दिया गया। सूत्रों के अनुसार यह घटना पिछले साल दिसंबर में हुई थी।

टायविन नामक श्नाउजर नस्ल के नौ वर्षीय कुत्ते की मौत की जांच दिसंबर में तब शुरू हुई जब एक केयरटेकर को आरलैंडो अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के एक बाथरूम में कूड़े के थैले में कुत्ता मिला। कुत्ते की पहचान उसके प्रत्यारोपित माइक्रोचिप से की गई। शव परीक्षण से पता चला कि टायविन की मौत डूबकर हुई थी।

एयरपोर्ट के कैमरों में दिखी कुत्ते को ले जाते हुए - एयरपोर्ट के कैमरों में दिखा कि महिला ने कुत्ते के साथ एयरलाइंस एजेंट से 15 मिनट बात की, कुत्ते के साथ टिकटिंग क्षेत्र के पास बाथरूम गई और 20 मिनट से भी कम समय बाद बिना टायविन के बाथरूम से बाहर निकली।

थर्रा उठेंगे दुश्मन, अमेरिका बना रहा है एफ-47 फाइटर जेट; खूबियां ऐसी जिसे पहले कभी नहीं सुना होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान का निर्माण करने जा रहा है, जिसका नाम होगा एफ-47। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस फाइटर जेट को बनाने का जिम्मा बोइंग को सौंपा है। उन्होंने एलान किया कि इस डील का मकसद एफ-22 स्टील्थ वॉर प्लेन को रिप्लेस करना है।

एफ-22 विमान करीब दो दशक से सेवाएं दे रहा है। अब नए फाइटर जेट ज्यादा एडवांस और बिना क्रू के ड्रोन के साथ काम करने में सक्षम होंगे। फाइटर जेट एफ-47 का टोन्ड डाउन वर्जन सहयोगी देशों के लिए भी उपलब्ध होगा।

एफ-22 रैप्टर विमान की जगह लेने वाले एफ-47 में उच्च स्तर की गतिशीलता, स्टील्थ तकनीक और सुपरक्रूज या आफ्टरबर्नर के बिना सुपरसोनिक उड़ान बनाए रखने की क्षमता होगी। ट्रंप ने कहा कि सुरक्षा कारणों से इस डील की कीमत का खुलासा नहीं किया जा रहा है।

एफ-47 फाइटर प्लेन का चल रहा परीक्षण- डोनाल्ड ट्रंप ने बताया कि टेस्टिंग के तौर पर स्न-47 फाइटर प्लेन पिछले करीब 5 महीनों से गुप्त रूप से उड़ान भर रहा है। उन्होंने भरोसा जताया कि ये अन्य देशों से ज्यादा बेहतर है।

18 घंटे बाद लंदन का हीथ्रो एयरपोर्ट हुआ चालू, बिजली कटौती के कारण कर दिया था बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिजली सबस्टेशन में आग लगने के कारण लंदन के सबसे व्यस्त हवाई अड्डे पर बिजली चली गई थी जिसके बाद विमानों की आवाजाही एक दम बंद हो गई थी। वही, शुक्रवार देर रात लगभग 18 घंटे बाद हीथ्रो हवाई अड्डे पर पहला विमान उतरा। यह यूरोप का सबसे व्यस्त हवाई यात्रा केंद्र है।

हजारों यात्रियों की वैश्विक यात्रा बाधित हुई

हीथ्रो द्वारा अपना बंद करने का आदेश वापस लेने के बाद ब्रिटिश एयरवेज का जेट सूर्यास्त से ठीक पहले उतरा, जिससे सैकड़ों हजारों यात्रियों की वैश्विक यात्रा बाधित हुई।

फ्लाइट ट्रैकिंग सेवा फ्लाइटरडार 24 ने कहा कि हीथ्रो से आने-जाने वाली कम से कम 1,350 उड़ानें प्रभावित हुईं, और इसका असर कई दिनों तक रहने की संभावना है। यात्री अपनी यात्रा को पुनर्निर्धारित करने का प्रयास कर रहे हैं और एयरलाइंस विमान और चालक दल को फिर से तैनात करने का काम कर रही हैं।

हीथ्रो और आसपास के शहरों के होटलों का किराया बढ़ाया - आयोवा (अमेरिका) से आए 21 वर्षीय बीयू महर ने कहा, शुरू में सब कुछ रोमांचकारी लगा लेकिन कुछ ही घंटों में यह बेहद कष्टदायी हो गया। ऐसे ही अन्य देशों में ठहराए गए यात्रियों को अब उनके गंतव्य तक पहुंचाना और उनके लिए आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी करना मुश्किल हो रहा है।

हीथ्रो और आसपास के शहरों के होटलों का एक दिन का किराया पांच गुना तक बढ़ गया है। हीथ्रो प्रबंधन ने यात्रियों से कहा गया है कि वे हवाई अड्डे पर न आएं और यात्रा कार्यक्रम के बारे संबंधित एयरलाइन कंपनी के संपर्क में रहें।

मेक्सिको के लास क्रूसेस के पार्क में अंधाधुंध फायरिंग, कई लोग घायल; जांच में जुटी पुलिस

लास क्रूसेस। अमेरिका के न्यू मेक्सिको राज्य के शहर लास क्रूसेस के एक पार्क में गोलीबारी की घटना सामने आई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, शहर के एक पार्क में रात में सामूहिक गोलीबारी में कई लोग घायल हो गए।

दरअसल, पूरी घटना शुक्रवार को शहर के यंग पार्क में हुई। यहां पर कुछ बदमाशों ने लोगों पर गोलीबारी की। इस घटना में अभी तक कितने लोग घायल हैं, इसको लेकर स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। लास क्रूसेस पुलिस ने फेसबुक पोस्ट में इस बात की जानकारी दी है।घायलों को अस्पताल में कराया गया भर्तीबता दें कि इस घटना में घायल अधिकांश स्थानीय लोगों को अस्पतालों में ले जाया गया। जहां पर उनका उपचार चल रहा है। वहीं, गंभीर रूप से घायल एक शख्स को एल पासो के यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर में ले जाया गया। पुलिस ने बताया कि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि कितने लोग घायल हुए हैं और उनकी चोटें कितनी गंभीर हैं।

शनिवार को भी तैनात रही पुलिस इस घटना को लेकर स्थानीय मीडिया ने दावा किया कि पुलिस विभाग के कर्मचारी शनिवार को भी घटनास्थल पर था। यहां पर विभाग अभी भी गोलीबारी में शामिल संदिग्ध या संदिग्धों की पहचान करने की कोशिश कर रहा था। पार्क के आस-पास के क्षेत्र को अस्थायी रूप से यातायात के लिए बंद कर दिया गया था। पहले भी हुई गोलीबारी की घटनाएंबता दें कि मेक्सिको में ये कोई पहली बार नहीं है, जब किसी सार्वजनिक स्थान पर गोलीबारी की घटना सामने आई हो।इससे पहले भी कई बार इस प्रकार की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इससे पहले इस साल जनवरी के महीने में भी दक्षिण पूर्वी मेक्सिको के विलेहरमोसा शहर में गोलीबारी हुई।

इजरायल ने हमास के सैन्य खुफिया प्रमुख को मार गिराया? गाजा में भीषण लड़ाई जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायली सेना ने शुक्रवार को दावा किया कि उसने गुरुवार को दक्षिणी गाजा में हमास के सैन्य खुफिया प्रमुख को मार गिराया है। एक बयान में सेना ने हमास नेता का नाम ओसामा तबाश बताया। उसने कहा कि वह आतंकवादी समूह की निगरानी और लक्ष्यीकरण इकाई का प्रमुख भी था। इस पर हमास की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई।

इजराइल रक्षा बलों ने दी जानकारी- एएनआइ के अनुसार, इजराइल रक्षा बलों ने कहा कि हमास और फलस्तीनी इस्लामिक जिहाद के तीन लोगों को मार गिराया गया है। इसमें हमास के जनरल सिक्योरिटी अपैरेटस के प्रमुख राशिद जहजौह को खान यूनिस क्षेत्र में हमास के जनरल सिक्योरिटी अपैरेटस के प्रमुख अयमान अत्सिला के साथ मारा गया। आइडीएफ के अनुसार, जहजौह ने गाजा में हमास के शासन को वैध बनाने के लिए प्रचार प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

इजरायल के आंतरिक सुरक्षा प्रमुख की बर्खास्तगी पर रोक- इजरायल की शीर्ष अदालत ने शुक्रवार को देश के आंतरिक सुरक्षा प्रमुख रोनेन बार को बर्खास्त करने के फैसले पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने कहा कि उनकी याचिका पर सुनवाई होने तक बर्खास्तगी पर रोक रहेगी। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से कुछ घंटे पहले कैबिनेट ने आंतरिक सुरक्षा सेवा एजेंसी शिन बेट के प्रमुख रोनेन को बर्खास्त करने के नेतन्याहू के फैसले पर मुहर लगा दी।

परिसीमन के खिलाफ हल्ला बोल! चेन्नई में JAC की बैठक में बनी रणनीति

नई दिल्ली (एजेंसी)। विपक्ष की जॉइंट एक्शन कमेटी ने शनिवार को परिसीमन के मुद्दे पर एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें केंद्र सरकार की ओर से पारदर्शिता और स्पष्टता की कमी पर चिंता व्यक्त की गई।

जेएसी ने सर्वसम्मति से केंद्र सरकार से किसी भी परिसीमन एक्सरसाइज पर पारदर्शिता की मांग की और 1971 की जनगणना वाली जनसंख्या के आधार पर संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों पर रोक को अगले 25 वर्षों तक बढ़ाने के लिए कहा।

प्रक्रिया को पारदर्शी करने की मांग- जेएसी द्वारा पारित प्रस्ताव में कहा गया है कि लोकतंत्र को बेहतर बनाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा किए गए किसी भी परिसीमन एक्सरसाइज को पारदर्शी तरीके से किया जाना चाहिए, ताकि सभी राज्यों के राजनीतिक दलों, राज्य सरकारों और अन्य हितधारकों को इसमें विचार-विमर्श, चर्चा और योगदान करने का अवसर मिल सके।

इसमें कहा गया है, इस तथ्य को देखते हुए कि 42वें, 84वें और 87वें संविधान संशोधनों के पीछे विधायी मंशा उन राज्यों को संरक्षण/प्रोत्साहित करना था, जिन्होंने जनसंख्या नियंत्रण उपायों को प्रभावी ढंग से लागू किया है और राष्ट्रीय जनसंख्या स्थिरीकरण का लक्ष्य अभी तक हासिल नहीं हुआ है।

आवश्यक संवैधानिक संशोधन लागू करने की मांग- प्रस्ताव के मुताबिक, 1971 की जनगणना वाली जनसंख्या के आधार पर संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों पर रोक को अगले 25 वर्षों तक बढ़ाया जाना चाहिए। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की अगुआई वाली जेएसी ने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि वह उन राज्यों को दंडित न करे, जिन्होंने जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से लागू किया है।

स्थानीय कानूनों का पालन करें, अमेरिका में भारतीय छात्रों पर हुई कार्रवाई...

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका में पढ़ाई कर रहे भारतीय छात्रों को स्थानीय कानूनों का पालन करना चाहिए। हाल ही में हमास के समर्थन के आरोप में अमेरिका के जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय में पढ़ रहे एक भारतीय छात्र बदर खान सूरी को गिरफ्तार किया गया है। वहीं, कोलंबिया विश्वविद्यालय में पढ़ रही भारतीय छात्रा रंजनी श्रीनिवासन के वीजा रद कर दिया गया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि दोनों भारतीयों ने सहायता के लिए अमेरिका स्थित भारतीय दूतावास से संपर्क नहीं किया।

अमेरिकी होमलैंड सुरक्षा विभाग ने वॉशिंगटन डीसी स्थित जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय के पोस्टडॉक्टरल फेलो बदर खान सूरी को सोमवार रात हिरासत में लिया। उन पर हमास के दुष्प्रचार को बढ़ावा देने÷ के आरोप लगे हैं। अमेरिकी संघीय न्यायाधीश ने सूरी के निर्वासन पर फिलहाल रोक लगा दी है।

आव्रजन नीति पर क्या बोला विदेश मंत्रालय - विदेश मंत्रालय ने यह स्पष्ट किया कि वीजा और आव्रजन नीतियों पर निर्णय लेना प्रत्येक देश का संप्रभु अधिकार है और वहां रह रहे सभी लोगों को इन कानूनों का पालन करना चाहिए।

ये ट्रेंड बना लिया है..., लेट हुई एयर इंडिया की फ्लाइट तो भड़कीं सांसद सुप्रिया सुले

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) की सांसद सुप्रिया सुले ने अपनी उड़ान में एक घंटे से अधिक की देरी के लिए एयर इंडिया की आलोचना की और केंद्रीय विमानन मंत्री राम मोहन नायडू से एयरलाइनों को जवाबदेह ठहराने के लिए सख्त नियम लागू करने का आग्रह किया। सुप्रिया सुले ने कहा कि उनकी उड़ान AI0508 में 1 घंटे और 19 मिनट की देरी हुई।

एक्स पर पोस्ट कर सुले ने दी प्रतिक्रिया- सुप्रिया सुले ने एक्स पर लिखा मैं एयर इंडिया की उड़ान AI0508 में यात्रा कर रही थी, जिसमें 1 घंटे और 19 मिनट की देरी हुई। यात्रियों को प्रभावित करने वाली देरी की निरंतर प्रवृत्ति का हिस्सा। यह अस्वीकार्य है। माननीय नागरिक विमानन मंत्री राम मोहन नायडू से आग्रह है कि वे एयर इंडिया जैसी एयरलाइनों को बार-बार देरी के लिए जवाबदेह ठहराने और यात्रियों के लिए बेहतर सेवा मानक सुनिश्चित करने के लिए सख्त नियम लागू करें। सुले ने एक और पोस्ट कर कहा, ये उड़ानें कभी भी समय पर नहीं होती हैं, उनके कुप्रबंधन से सभी लोग, जिसमें बच्चे और वरिष्ठ नागरिक भी शामिल हैं, प्रभावित होते हैं। एयर इंडिया की उड़ानों में लगातार देरी हो रही है। यह अस्वीकार्य है! हम प्रीमियम किराया देते हैं, फिर भी उड़ानें कभी समय पर नहीं होती हैं।

दो दिन पहले होटल में ज्वाइन की नौकरी, आधार कार्ड नहीं देने पर हुआ संदेह; फिर बैग से मिला हैंड ग्रेनेड

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के बेंगलुरु में एक होटल सप्लायर के बैग से हैंड ग्रेनेड मिलने के बाद होटल कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। 23 वर्षीय होटल सप्लायर अब्दुल रहमान को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया गया है। होटल कर्मचारियों ने बैग में ग्रेनेड मिलने की सूचना पुलिस को दी थी।

शक होने पर बैग चेक करने पर मिला ग्रेनेड- बेल्लाहल्ली निवासी रहमान ने हाल ही में होटल में काम करना शुरू किया था। पुलिस ने बताया कि जब कर्मचारियों ने सिक्योरिटी उपाय के तौर पर उसका आधार कार्ड मांगा तो दो दिन बीत जाने के बाद भी उसने अपना अधारा कार्ड नहीं दिया। पुलिस ने बताया कि संदेह होने पर होटल कर्मचारियों ने उसके बैग की जांच की तो उसमें से एक ग्रेनेड मिला। संपिगेहल्ली पुलिस ने ग्रेनेड की पुष्टि की और पूछताछ के लिए अब्दुल रहमान को हिरासत में ले लिया। पूछताछ के दौरान उसने कथित तौर पर ये दावा किया कि उसे सड़क पर ग्रेनेड मिला था और उसने उसे अपने बैग में रख लिया था।

रहमान का दावा- सड़क पर मिला ग्रेनेड- संपीगेहल्ली के पुलिस निरीक्षक चंद्र शेखर ने एचटी को बताया, हमने उसे विस्फोटक अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया है। बुधवार से उसने होटल में काम करना शुरू किया था, इससे पहले वो एक बढ़ई के सहायक के रूप में काम करता था। रहमान ने दावा किया है कि टहलते समय उसे सड़क पर ग्रेनेड मिला था और उसने अपने बैग में रख लिया। हम आगे की जांच कर रहे हैं।

पूर्वी डिवीजन के संयुक्त पुलिस आयुक्त रमेश बनोथ ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए विस्फोटक के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा, बरामद किया गया हथगोला टेनिस बॉल की तरह दिखता है और उसमें दो फ्यूज लगे हुए थे। हथगोले को सुरक्षित रूप से नष्ट कर दिया गया है और रासायनिक नमूनों को जांच के लिए फोरेंसिक लेबोरेटरी भेजा गया है।

बेंगलुरु में मार्च में ही बढ़ रहे सनबर्न के मामले, क्या है इसके पीछे का कारण और कैसे किया जा सकता इससे बचाव?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपने ठंडे मौसम के लिए जाना जाने वाला शहर बेंगलुरु इन दिनों कड़ी तेज धूप की मार झेल रहा है। शहर में तेज धूप की वजह से लोगों में सनबर्न के मामले देखे जा रहे हैं। लोग तेज गर्मी और धूप से परेशान नजर आ रहे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, शहर में कथित तौर पर सनबर्न की घटनाओं में वृद्धि देखी जा रही है। बेंगलुरु में सनबर्न आमतौर पर अप्रैल के महीने में दिखाई देते थे, लेकिन इस बार मार्च में ही मामले सामने आने लगे हैं।

डॉक्टर ने क्या दी सलाह- अपोलो क्लिनिक की डॉ. सफिया तनीम ने बताया कि हर हफ्ते 10 सनबर्न और 20 सन एलर्जी के मामले सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा, जब - किरणें त्वचा पर पड़ती है, तो वे रिएक्टव ऑक्सीजन स्पीशीज के नाम से जाने जाने वाले इनफ्लेमेटरी को सक्रिय करती हैं। इससे जलन, सूजन और कई मामलों में चकत्ते हो जाते हैं।

उन्होंने कहा, आम तौर पर सनबर्न के मामले अप्रैल और मई में सबसे ज्यादा होते हैं, लेकिन इस साल हमने देखा कि मामले फरवरी में ही सामने आ रहे हैं। सनबर्न जल्दी शुरू हो गए इसके पीछे ग्लोबल वॉर्मिंग और बढ़ता तापमान कारण हो सकते हैं। वायु प्रदूषण भी एक कारण है, जिससे त्वचा की जलन बढ़ रही है।

एस्टर सीएमआई अस्पताल की डॉ. शिरीन फर्टाडो के अनुसार, ऐसे मामलों में 50त्न की वृद्धि हुई है। सनबर्न और सन एलर्जी के दैनिक मामले एक या दो से बढ़कर पांच हो गए हैं, और आगे भी इसमें वृद्धि की उम्मीद है।

सनबर्न क्या करें और क्या न करें- ब्रॉड-स्पेक्ट्रम सनस्क्रीन लगाएं और डॉक्टर की सलाह के अनुसार हर दो घंटे में दोबारा लगाएं

अतिरिक्त सुरक्षा के लिए चौड़े किनारे वाली टोपी, ङ्क-सुरक्षात्मक धूप का चश्मा और धूप से सुरक्षित कपड़े पहनें।

प्रतिदिन 2-3 लीटर पानी पीकर और इलेक्ट्रोलाइट्स का सेवन करके हाइड्रेटेड रहें।

जल-संतुलन बनाए रखने के लिए तरबूज, खीरा और संतरे जैसे पानी से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन करें।

मेरी जांघों को पकड़ा और गर्दन पर..., NIT सिलचर के प्रोफेसर की गंदी करतूत; पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम के सिलचर में स्थित एनआईटी के एक असिस्टेंट प्रोफेसर को पुलिस ने छात्रा के साथ अश्लील हरकत करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. कोटेश्वर राजू धेनुकोंडा पर एक छात्रा ने आरोप लगाया कि उसने उसका उत्पीड़न किया है।

कछार पुलिस अधीक्षत नुमल महत्ता ने बताया, डॉ. कोटेश्वर राजू धेनुकोंडा को NIT ने सस्पेंड कर दिया है। पीड़िता और उसके परिवार द्वारा दर्ज कराई गई अलग-अलग शिकायतों के आधार पर आरोपी को संस्थान के परिसर से गिरफ्तार किया गया है।

छात्रा का क्या है आरोप- एनआईटी के बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी की छात्रा ने असिस्टेंट प्रोफेसर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

कार्रवाई की मांग करते हुए छात्रा ने रातभर प्रदर्शन भी किया था।

पीड़िता के मुताबिक, प्रोफेसर ने उसे अपने चैंबर में बुलाकर कथित तौर पर उसका यौन उत्पीड़न किया।

पीड़िता के मुताबिक, प्रोफेसर ने उसके कम ग्रेड पर चर्चा करने के लिए अपने चैंबर में बुलाया और अनुचित तरीके से उसे छुआ। पीड़िता की चिट्ठी हुई वायरल

वायरल चिट्ठी में पीड़िता ने प्रोफेसर पर आरोप लगाते हुए कहा, प्रोफेसर ने मुझे अपने पास बैठने को कहा और पूछा कि कम ग्रेड क्यों मिलते हैं। उसने मेरे हाथ को पकड़ना शुरू किया और उंगलियां छूने लगा। फिर प्रोफेसर ने धीरे-धीरे मेरी जांघों को पकड़ लिया। उसने मेरे सामने अपने कम्प्यूटर पर अश्लील गाने बजाना भी शुरू कर दिया।

पीड़िता ने चिट्ठी में आगे बताया, प्रोफेसर ने मेरे पेट को छुआ और उसे सहलाया। मैं रोने लगी लेकिन वह नहीं रुका। उसने मुझे सहज होने और अपने पैर ठीक से फैलाने को कहा। इसके बाद उसने पीछे से मेरी गर्दन पकड़ ली।

आरोपी हुआ गिरफ्तार- पुलिस ने बताया कि शुरुआत में आरोपी ने खुद को छिपाने की कोशिश की। उसने अपने क्वार्टर का दरवाजा बाहर से बंद कर लिया, लेकिन मोबाइल लोकेशन से पता लगाकर शुक्रवार शाम को उसे हिरासत में लिया गया।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 कृष्णा नवमी

संपादकीय

भारत धर्मनिरपेक्षता, अनेकता में एकता, सौहार्दपूर्ण वातावरण और शांतिप्रिय संस्कृति के लिए विश्व प्रसिद्ध है

भारत अपनी बुनियादी नीव, एकता अखंडता सामाजिक उदारवाद, अलौकिक प्राकृतिक संसाधनों, धर्मनिरपेक्षता, अनेकता में एकता, सौहार्दपूर्ण वातावरण और शांतिप्रिय संस्कृति के लिए विश्व प्रसिद्ध है। वैश्विक स्तर पर इन सभी खूबियों की चर्चा कर तारीफ़ और उदाहरण पेश किया जाता है जो प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से हम सुनते हुए देखते हैं, तो हम गर्व महसूस करते हैं कि हम ऐसे देश के नागरिक हैं जहां सभी जाति, धर्म, उपजाति, भाषाओं, उप भाषाओं के नागरिक खूबसूरती से एक साथ मिलजुल कर रह रहे हैं और देश के विकास में अपने अपने स्तर पर भरपूर योगदान दे रहे हैं। युवा राष्ट होने के नाते भारत अपने युवाओं, मूल्यवान संपत्तियों, संसाधनों, जग प्रसिद्ध बौद्धिक क्षमता का भरपूर उपयोग कर विश्व नेता बनने के सपने संजोए हुए हैं जिसके लिए विज़न 2047, 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था सहित अनेक विज़न पर कार्य शुरू है।

साथियों परंतु पिछले कुछ दिनों, महीनों से हम इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से देश मैं कट्टरता, नफ़रत, बुलडोजर, हिजाब, पथरबाज़ी, लाउडस्पीकर, जुलूस पर पथराव, हेट स्पीच, धार्मिक बयानबाजी इत्यादि अनेक वाक्य टीवी चैनलों के माध्यम से, ग्राउंड रिपोर्टिंग के माध्यम से देख, सुन रहे हैं जिससे समाज को ऐसी क्षति होने की संभावना है जिसकी भरपाई करने में शायद हमारे समय, मूल्यवान संपत्ति, संसाधनों और युवा शक्ति का भारी नुकसान होने की संभावना से हम इनकार नहीं किया जा सकता जिसका उपयोग हम नए भारत के नए प्रस्तावित विजनों के लिए उपयोग कर रहे हैं। साथियों बात अगर हम भारत देश की बुनियाद की करें तो अमन-चैन, सौहार्दपूर्ण वातावरण, भाईचारा, धर्मनिरपेक्षता, त्योहारों के साझा उत्सव, विभिन्न अवस्थाओं में संबंधों के बीच अच्छे पड़ोसी वाले संबंध, युगों से हमारे समाज और देश के गौरव पूर्ण विशेषता रही है परंतु बीते कुछ दिनों से एक धार्मिक समुदाय के जुलूस पर मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात में पथराव और अब कल दिल्ली में भी एक अन्य धार्मिक जुलूस पर पथराव की घटना से ऐसा प्रतीत हो रहा है कि कुछ संकीर्ण मानसिकता वाले तत्व, भारतीय समाज की नींव और राष्ट्रीयता की समग्र समावेशित समभाव विचारधारा, संस्कृति को कमजोर करने की पहल शुरू करने की तैयारियां हो रही है जिसे हम सब नागरिक एकता कर, आपसी भाईचारा कायम कर, विभिन्नता में एकता, सामाजिक उदारवाद, सौहार्दपूर्ण वातावरण तात्कालिक बनाए रखकर ऐसे तत्वों को पुरजोर जवाब देने के लिए सभी जाति, धर्म, समुदाय विशेष को एक साथ मिलकर उन तत्वों का मुकाबला कर भारत की गौरवशाली प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए तात्कालिक कदम उठाने होंगे जिससे आपसी विश्वास बिल्डिंग को मजबूत और अटूट बनाए रखा जा सकता है।साथियों बातें कर हम 10 अप्रैल 2022 को मध्य प्रदेश, राजस्थान और गुजरात में एक धार्मिक शोभायात्रा के अवसर पर हुई हिंसा का घाव अभी सूखा भी नहीं था कि राजधानी दिल्ली के जहांगीरपुरी में दिनांक 16 अप्रैल 2022 शाम को धार्मिक शोभायात्रा यात्रा के अवसर पर टीवी चैनलों पर दिखाया गया जमकर हिंसा हुई। हिंसा और उपद्रव में कौन शामिल है, इसका पता नहीं चल पाया है. लेकिन राजधानी में तनाव पसर गया है।उपद्रवियों द्वारा कई गाड़ियों में तोड़फोड़ कर दी गई है और पुलिस कर्मी भी घायल हुए हैं. जिस समय धार्मिक पर्व पर शोभायात्रा निकाली जा रही थी, तब ये हिंसा शुरू हुई और देखते ही देखते कई गाड़ियों में तोड़फोड़ कर दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस पर भी हमला किया गया ऐसा मीडिया में बताया गया।साथियों बात अगर हम विपक्ष के 13 नेताओं के संयुक्त बयान की करें तो उन्होंने अपने संयुक्त बयान में देश में हुई हालिया सांप्रदायिक हिंसा और घृणापूर्ण भाषण संबंधी घटनाओं को लेकर गंभीर चिंता जतायी और लोगों से शांति एवं सद्भाव बनाए रखने की अपील की। इसके साथ ही विपक्षी नेताओं ने इन मुद्दों को लेकर पीएम की चुप्पी पर भी सवाल उठाया हैजिस पर सत्ताधारी प्रवक्ता द्वारा आक्षेप लिया गया ऐसा टीवी चैनलों पर दिखाया गया है।

बलिदान दिवस

बलिदान दिवस प्रत्येक वर्ष भारत में 23 मार्च को मनाया जाता है। 23 मार्च, 1931 की मध्यरात्रि को अंग्रेज़ हुकूमत ने भारत के तीन सपूतों- भगतसिंह, सुखदेव और राजगुरु को फाँसी पर लटका दिया था। बलिदान दिवस के रूप में जाना जाने वाला यह दिन यूं तो भारतीय इतिहास के लिए काला दिन माना जाता है, पर स्वतंत्रता की लड़ाई में खुद को देश की वेदी पर चढ़ाने वाले यह नायक हमारे आदर्श हैं। इन तीनों वीरों के बलिदान को श्रद्धांजलि देने के लिए ही बलिदान दिवस मनाया जाता है। जबकि राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की याद में भी बलिदान दिवस मनाया जाता है। 30 जनवरी को सत्य और अहिंसा के पुजारी महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर 'बलिदान दिवस' मनाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है।

इतिहास

भारत एक महान् देश है। यहां का इतिहास बेहद गौरवशाली रहा है। यह देश अपने अंदर ऐसी कई संस्कृतियां समेटे हुए है, जिसने इसे विश्व की सबसे समृद्ध संस्कृति वाला देश बनाया है। यह देश उन वीरों की कर्मभूमि भी रही है, जिन्होंने अपने प्राणों की परवाह किए बिना इस देश के लिए कार्य किए हैं। अपने वतन के लिए प्राणों की बलि देने से भी हमारे वीर कभी पीछे नहीं हटे। देश को स्वतंत्र कराने के लिए देश के वीरों ने अपनी जान की आहुति तक दी। आज़ादी के बाद भी हमारे वीर सैनिकों ने सीमाओं पर हमारी हिफाजत के लिए अपने प्राणों को दांव पर लगाया। अदालती आदेश के मुताबिक़ भगतसिंह, राजगुरु और सुखदेव को 24 मार्च, 1931 को फाँसी लगाई जानी थी, सुबह क़रीब 8 बजे। लेकिन 23 मार्च, 1931 को ही इन तीनों को देर शाम क़रीब सात बजे फाँसी लगा दी गई और शव रिश्तेदारों को न देकर रातों रात ले जाकर सतलुज नदी के किनारे जला दिए गए।

अंग्रेज़ी हुकूमत ने भगतसिंह और अन्य क्रांतिकारियों की बढ़ती लोकप्रियता और 24 मार्च को होने वाले विद्रोह की वजह से 23 मार्च को ही भगतसिंह और अन्य को क्रांतिकारियों को फाँसी दे दी थी। दरअसल यह पूरी घटना भारतीय क्रांतिकारियों की अंग्रेज़ी हुकूमत को हिला देने वाली घटना की वजह से हुई। 8 अप्रैल 1929 के दिन चंद्रशेखर आज़ाद के नेतृत्व में 'पब्लिक सेफ्टी' और 'ट्रेड डिस्प्यूट बिल' के विरोध में 'सेंट्रल असेंबली' में बम फेंका गया। जैसे ही बिल संबंधी घोषणा की गई तभी भगतसिंह ने बम फेंका। इसके पश्चात् क्रांतिकारियों को गिरफ्तार करने का दौर चला। भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त को आजीवन कारावास मिला।

भगतसिंह

अमर बलिदानी सरदार भगतसिंह का नाम विश्व में 20वीं शताब्दी के अमर बलिदानियों में बहुत ऊँचा है। भगतसिंह ने देश की आज़ादी के लिए जिस साहस के साथ शक्तिशाली ब्रिटिश सरकार का मुक़ाबला किया, वह आज के युवकों के लिए एक बहुत बड़ा आदर्श है। भगतसिंह अपने देश के लिये ही जीये और उसी के लिए बलिदान भी दे गये।

जीवन परिचय

भगतसिंह का जन्म 28 सितंबर, 1907 को पंजाब के ज़िला लायलपुर में बंगा गाँव (पाकिस्तान) में हुआ था, एक देशभक्त सिक्ख परिवार में हुआ था, जिसका अनुकूल प्रभाव उन पर पड़ा था। भगतसिंह के पिता सरदार किशन सिंह एवं उनके दो चाचा अजीतसिंह तथा स्वर्णसिंह अंग्रेज़ों के ख़िलाफ़ होने के कारण जेल में बन्द थे। जिस दिन भगतसिंह पैदा हुए उनके पिता एवं चाचा को जेल से रिहा किया गया। इस शुभ घड़ी के अवसर पर भगतसिंह के घर में खुशी और भी बढ़ गयी थी । भगतसिंह की दादी ने बच्चे का नाम भागां वाला (अच्छे भाग्य वाला) रखा। बाद में उन्हें भगतसिंह कहा जाने लगा। वे 14 वर्ष की आयु से ही पंजाब की क्रान्तिकारी संस्थाओं में कार्य करने लगे थे। डी.ए.वी. स्कूल से उन्होंने नवीं की परीक्षा उत्तीर्ण की। 1923 में इंटरमीडिएट की परीक्षा पास करने के बाद उन्हें विवाह बन्धन में बाँधने की तैयारियाँ होने लगीं तो वे लाहौर से भागकर कानपुर आ गये।

सम्पादकीय लेख

कानपुर में उन्हें गणेश शंकर विद्यार्थी का हार्दिक सहयोग भी प्राप्त हुआ। देश की स्वतंत्रता के लिए अखिल भारतीय स्तर पर क्रान्तिकारी दल का पुनर्गठन करने का श्रेय सरदार भगतसिंह को ही जाता है। उन्होंने कानपुर के प्रताप में बलवंत सिंह के नाम से तथा दिल्ली में अर्जुन के सम्पादकीय विभाग में अर्जुन सिंह के नाम से कुछ समय काम किया और अपने को नौजवान भारत सभा से भी सम्बद्ध रखा।

क्रान्तिकारियों के सम्पर्क में

1919 में रॉलेक्ट एक्ट के विरोध में संपूर्ण भारत में प्रदर्शन हो रहे थे और इसी वर्ष 13 अप्रैल को जलियांवाला बाग़ काण्ड हुआ । इस काण्ड का समाचार सुनकर भगतसिंह लाहौर से अमृतसर पहुँचे। देश पर मर-मिटने वाले बलिदानियों के प्रति श्रद्धांजलि दी तथा रक्त से भीगी मिट्टी को उन्होंने एक बोतल में रख लिया, जिससे सदैव यह याद रहे कि उन्हें अपने देश और देशवासियों के अपमान का बदला लेना है ।

सुखदेव

सुखदेव को भारत के उन प्रसिद्ध क्रांतिकारियों और बलिदानियों में गिना जाता है, जिन्होंने अल्पायु में ही देश के लिए बलिदान दिया। सुखदेव का पूरा नाम सुखदेव थापर था। देश के और दो अन्य क्रांतिकारियों- भगत सिंह और राजगुरु के साथ उनका नाम जोड़ा जाता है। ये तीनों ही देशभक्त क्रांतिकारी आपस में अच्छे मित्र और देश की आजादी के लिए अपना सर्वत्र न्यौछावर कर देने वालों में से थे। 23 मार्च, 1931 को भारत के इन तीनों वीर नौजवानों को एक साथ फ़ाँसी दी गई।

जन्म तथा परिवार

सुखदेव का जन्म 15 मई, 1907 को गोपरा, लुधियाना, पंजाब में हुआ था। उनके पिता का नाम रामलाल थापर था, जो अपने व्यवसाय के कारण लायलपुर (वर्तमान फैसलाबाद, पाकिस्तान) में रहते थे। इनकी माता रल्ला देवी धार्मिक विचारों की महिला थीं। दुर्भाग्य से जब सुखदेव तीन वर्ष के थे, तभी इनके पिताजी का देहांत हो गया। इनका लालन-पालन इनके ताऊ लाला अचिन्त राम ने किया। वे आर्य समाज से प्रभावित थे तथा समाज सेवा व देशभक्तिपूर्ण कार्यों में अग्रसर रहते थे। इसका प्रभाव बालक सुखदेव पर भी पड़ा। जब बच्चे गली-मोहल्ले में शाम को खेलते तो सुखदेव अस्पृश्य कहे जाने वाले बच्चों को शिक्षा प्रदान करते थे।

भगत सिंह से मित्रता

सन 1919 में हुए जलियाँवाला बाग़ के भीषण नरसंहार के कारण देश में भय तथा उत्तेजना का वातावरण बन गया था। इस समय सुखदेव 12 वर्ष के थे। पंजाब के प्रमुख नगरों में मार्शल लॉ लगा दिया गया था। स्कूलों तथा कालेजों में तैनात ब्रिटिश अधिकारियों को भारतीय छात्रों को सैल्यूट करना पड़ता था। लेकिन सुखदेव ने दृढ़तापूर्वक ऐसा करने से मना कर दिया, जिस कारण उन्हें मार भी खानी पड़ी। लायलपुर के सनातन धर्म हाईस्कूल से मैट्रिक पास कर सुखदेव ने लाहौर के नेशनल कालेज में प्रवेश लिया। यहाँ पर सुखदेव की भगत सिंह से भेंट हुई। दोनों एक ही राह के पथिक थे, अतः शीघ्र ही दोनों का परिचय गहरी दोस्ती में बदल गया। दोनों ही अत्यधिक कुशाग्र और देश की तत्कालीन समस्याओं पर विचार करने वाले थे। इन दोनों के इतिहास के प्राध्यापक जयचन्द्र विद्यालंकार थे, जो कि इतिहास को बड़ी देशभक्तिपूर्ण भावना से पढ़ाते थे। विद्यालय के प्रबंधक भाई परमानन्द भी जाने-माने क्रांतिकारी थे। वे भी समय-समय पर विद्यालयों में राष्ट्रीय चेतना जागृत करते थे। यह विद्यालय देश के प्रमुख विद्वानों के एकत्रित होने का केन्द्र था तथा उनके भी यहाँ भाषण होते रहते थे।

राजगुरु

शिवराम हरि राजगुरु भारत के प्रसिद्ध वीर स्वतंत्रता सेनानी थे। ये सरदार भगत सिंह और सुखदेव के घनिष्ठ मित्र थे। इस मित्रता को राजगुरु ने मृत्यु पर्यंत निभाया। देश की आजादी के लिए दिये गये राजगुरु के बलिदान ने इनका नाम भारतीय इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित करवा दिया। राजगुरु, भगत सिंह और सुखदेव का बलिदान आज भी भारत के युवकों को प्रेरणा प्रदान करता है।

जन्म तथा शिक्षा

वीर स्वतंत्रता सेनानी सुखदेव का जन्म 24 अगस्त, 1908 को पुणे (महाराष्ट्र) के खेड़ा नामक गाँव में हुआ था। इनके पिता का नाम श्री हरि नारायण और माता का नाम पार्वती बाई था। राजगुरु के पिता का निधन इनके बाल्यकाल में ही हो गया था। इनका पालन-पोषण इनकी माता और बड़े भैया ने किया।

राजगुरु बचपन से ही बड़े वीर, साहसी और मस्तमौला थे। भारत माँ से प्रेम तो बचपन से ही था। इस कारण अंग्रेज़ों से घृणा तो स्वाभाविक ही थी। ये बचपन से ही वीर शिवाजी और लोकमान्य तिलक के बहुत बड़े भक्त थे। संकट मोल लेने में भी इनका कोई जवाब नहीं था। किन्तु ये कभी-कभी लापरवाही कर जाते थे। राजगुरु का पढ़ाई में मन नहीं लगता था, इसलिए इनको अपने बड़े भैया और भाभी का तिरस्कार सहना पड़ता था। माँ बेचारी कुछ बोल न पातीं।

किसी भी इमरजेंसी के लिए कैसे बनाएं फंड, कितनी होनी चाहिए रकम

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोई भी इमरजेंसी बताकर नहीं आती। हमें भविष्य में किसी भी तरह की इमरजेंसी का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में हमें इमरजेंसी जैसी स्थिति के लिए पूरी तरह से तैयार होना पड़ेगा।

इमरजेंसी में पैसों की कमी ना हो इसके लिए हमें एक मोटा फंड तैयार करना होगा।

कैसे तैयार करें इमरजेंसी फंड तैयार- इमरजेंसी फंड बनाने के लिए आपका सेविंग करना बेहद जरूरी है। अगर आप इमरजेंसी फंड तैयार करना चाहते हैं, तो नीचे बताए गए तरीको को जरूर अपनाएं।

सबसे पहले आपको हर महीने मिलने वाली इनकम और खर्च का एक बजट तैयार करना होगा।

इसके जरिए पता लगाया जा सकता है कि आप कितना पैसा बचा पाएंगे।

इसी बचत से आपको एक फंड इमरजेंसी के लिए भी रखना होगा।

आप इन पैसों को कहीं निवेश भी कर सकते हैं। हालांकि इस बात का ध्यान दें कि निवेश प्लेटफॉर्म ऐसा हो, जहां से आप बिना किसी परेशानी के पैसा निकाल सकें।

कितनी रकम होना है जरूरी- इमरजेंसी के लिए तय कई रकम आपकी सैलरी पर निर्भर करती है। इसके साथ ही इस बात पर भी कि सैलरी से कितना पैसा बचता है। ऐसा कहा जाता है कि व्यक्ति को 3 से 6 महीने के खर्च के बराबर इमरजेंसी फंड रखना चाहिए।

उदाहरण के लिए अगर आप हर महीने 30 हजार रुपये खर्च करते हैं, तो आपको कम से कम 90 हजार रुपये इमरजेंसी के लिए रखने चाहिए। ऐसे ही अगर सैलरी 50 हजार रुपये है और 20 हजार रुपये खर्च हो जाते हैं। तो कम से कम इमरजेंसी के लिए 60 हजार रुपये जरूर रखें।

सरल शब्दों में कहें तो आपको एक महीने के खर्चे को 3 या 6 से गुणा करना होगा।

इमरजेंसी फंड= एक महीने में किया गया खर्च × 3 या एक महीने का खर्च × 6

इमरजेंसी फंड क्यों है जरूरी- भविष्य कभी भी हमें किसी भी तरह की इमरजेंसी का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे समय के लिए हमेशा तैयार रहना जरूरी है। इमरजेंसी फंड हमें भविष्य में होने वाली किसी भी आर्थिक समस्या से निपटने के लिए सक्षम बनाता है।

डीए में 3% बढ़ोतरी का ऐलान, इन कर्मचारियों के लिए है बड़ी खुशखबरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कर्मचारी महंगाई भत्ते (डीए) का इंतजार कर रहे हैं। इस बीच, राज्यों में महंगाई भत्ते को लेकर घोषणाएं होने लगी हैं। इसी कड़ी में त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए इस साल अप्रैल से महंगाई भत्ते (डीए) में तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी की घोषणा की। डीए में इस तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ त्रिपुरा सरकार के कर्मचारियों को 33 प्रतिशत डीए मिलेगा।

मुख्यमंत्री माणिक साहा ने विधानसभा में कहा, मैं एक अप्रैल, 2025 से सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए तीन प्रतिशत डीए जारी करने की घोषणा करता हूं। इससे राज्य सरकार के कर्मचारियों का डीए 30 प्रतिशत से बढ़कर 33 प्रतिशत हो जाएगा। इसके लिए सरकार को सालाना 300 करोड़ रुपये का अतिरिक्त वित्तीय भार वहन करना होगा।

उन्होंने कहा कि सरकार राज्य सरकार के कर्मचारियों और केंद्र सरकार के कर्मचारियों के बीच महंगाई भत्ते के अंतर को कम करना चाहती है। उन्होंने कहा कि यह काम धीरे-धीरे किया जाएगा। इससे पहले छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और झारखंड जैसे राज्यों ने भी अपने सरकारी कर्मचारियों के भत्ते में बढ़ोतरी का ऐलान किया है।

केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई भत्ता (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) बढ़ाने का फैसला अभी नहीं हुआ है।

5 कंपनियों ने किया डिविडेंड का ऐलान, रिकॉर्ड डेट भी कर लीजिए नोट, आपके पास है कोई शेयर?

नई दिल्ली (एजेंसी)। शुक्रवार कई कंपनियों ने डिविडेंड और उसके लिए रिकॉर्ड तय किया है। इन कंपनियों की लिस्ट में सुंदरम् क्लेटोन लिमिटेड भी एक है।

कंपनी ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा है कि 1 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर 0.50 रुपये का डिविडेंड देने का फैसला किया गया है। इस डिविडेंड के लिए कंपनी की तरफ से 28 मार्च की तारीख को रिकॉर्ड डेट घोषित किया है। शुक्रवार को बाजार के बंद होने के समय पर कंपनी के शेयरों का भाव 2.18 प्रतिशत की उछाल के बाद 131.45 रुपये के लेवल पर पहुंच गया।

कंपनी के शेयर 27 मार्च को एक्स-डिविडेंड ट्रेड करेंगे। कंपनी ने बताया है कि एक शेयर पर योग्य निवेशकों को 9 रुपये का अंतरिम डिविडेंड दिया जाएगा। शुक्रवार को कंपनी के शेयरों का भाव बीएसई में 0.64 प्रतिशत की तेजी के साथ 868.50 रुपये के लेवल पर था। बीते 6 महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखने को मिली है। यह स्टॉक बीते 5 साल से निगेटिव रिटर्न ही दिया है।

100 रुपये से कम की कीमत वाले स्टॉक की तरफ से एक शेयर पर 0.50 रुपये का डिविडेंड दिया जाएगा। इस डिविडेंड के लिए कंपनी ने एक्सचेंज को दी जानकारी में कहा है कि 28 मार्च की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया गया है। बता दें, शुक्रवार को कंपनी के शेयरों का भाव 2.78 प्रतिशत की तेजी के साथ 54.28 रुपये के लेवल पर था। बीते एक साल में कंपनी के शेयरों का भाव 15 प्रतिशत से अधिक बढ़ा है।

कंपनी लगातार दूसरे महीने एक्स-डिविडेंड ट्रेड करने जा रही है। इस बार कंपनी की तरफ से एक शेयर पर 4 रुपये के अंतरिम डिविडेंड दिया जाएगा। कंपनी ने इस डिविडेंड के लिए 27 मार्च की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है।

कंपनी एक रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर 1 रुपये का डिविडेंड दे रही है। इसके लिए 27 मार्च की तारीख को रिकॉर्ड डेट घोषित किया गया है। बता दें, कंपनी के शेयर शुक्रवार को मार्केट की क्लोजिंग के समय पर 1549.45 रुपये पर थे।

2000 रुपये सस्ता हुआ गोल्ड, क्या इस समय सोना खरीदना रहेगा अच्छा? एक्सपर्ट्स की राय

नई दिल्ली (एजेंसी)। गोल्ड की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। एमसीएक्स गोल्ड हाल ही में 89,796 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया था। लेकिन उसके बाद से यह प्रॉफिट बुकिंग का शिकार हो गया। जिसकी वजह से कीमतों में करीब 2000 रुपये गिरावट देखने को मिली। जिसके बाद एमसीएक्स गोल्ड का रेट 87,785 रुपये प्रति 10 ग्राम के लेवल पर आ गया। बता दें, इस एमसीएक्स गोल्ड की कीमतों में 14 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। इंटरनेशनल मार्केट में इस साल सोने की कीमतों में 15 प्रतिशत की उछाल देखने को मिल चुकी है।

एक्सपर्ट्स के अनुसार गोल्ड की कीमतों में तेजी के पीछे की वजह रिटर्न की गारंटी है। साथ ही गाजा में बढ़ते टेंशन और अमेरिका में मंदी की संभावनाओं ने गोल्ड की कीमतों में इजाफा करने में मदद की है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि अमेरिकी फेड की मीटिंग ने भी कीमतों में बढ़ोतरी में मदद की है। अमेरिकी फेड रिजर्व का कहना है कि इकनॉमिक ग्रोथ स्लो रहेगी साथ इंफ्लेशन बढ़ेगा। जिसका असर अर्थव्यवस्था पर दिखेगा। एक्सपर्ट्स ने सोने की कीमतों में गिरावट के दौरान दांव लगाने की सलाह दी है।

खूब दहाड़ रहा है ये डिफेंस स्टॉक, निवेशक दांव लगाने से नहीं हट रहे पीछे, इस खबर ने फूंकी नई जान

नई दिल्ली (एजेंसी)। चर्चित डिफेंस कंपनी भारत डायनेमिक्स लिमिटेड के शेयरों की कीमतों में शुक्रवार को फिर से तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों का भाव शुक्रवार यानी कल 5 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ बीएसई में 1317 रुपये के लेवल पर पहुंच गया था। हालांकि, बाजार के बंद होने के समय पर कंपनी के शेयरों की कीमतों में नरमी देखने को मिली। जिसकी वजह से स्टॉक क्लोजिंग के समय पर 3.71 प्रतिशत की उछाल के साथ 1293 रुपये के स्तर पर था।

कंपनी के शेयरों में तेजी के पीछे की वजह क्या है- डिफेंस स्टॉक की कीमतों में तेजी के पीछे की वजह नए डिफेंस ऑर्डर की उम्मीद हैं। गुरुवार को डिफेंस एक्विजिसन काउंसिल ने 54000 करोड़ रुपये का 8 ऑर्डर प्रपोजल अप्रूव किया है। इस प्रस्ताव में T-90 टैंक्स के लिए 1350 एचपी का इंजन, Varunastra Torpedoes आदि शामिल है। भारत डायनेमिक्स Varunastra Torpedoes का उत्पादन करता है।

लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है डिफेंस स्टॉक- इस डिफेंस कंपनी के शेयरों की कीमतों में लगातार तेजी देखने को मिल रही है। महज एक हफ्ते में Varunastra Torpedoes ने निवेशकों को 16 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया है। जबकि एक महीने से स्टॉक को होल्ड करने वाले निवेशकों को अबतक 28 प्रतिशत से अधिक का फायदा हुआ है। Varunastra Torpedoes के पोजीशनल निवेशकों के लिए अच्छी बात यह है कि यह स्टॉक 55 प्रतिशत का रिटर्न एक साल में दिया है। जबकि इस दौरान सेंसेक्स इंडेक्स में महज 5.87 प्रतिशत की तेजी ही आई है।

1 शेयर पर 1 शेयर बोनस दे रही है कंपनी, रिकॉर्ड डेट अगले हफ्ते, कीमतों में उछाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगले हफ्ते कई कंपनियां शेयर बाजार में एक्स-बोनस स्टॉक के तौर पर ट्रेड करने जा रही हैं। इन कंपनियों की लिस्ट में Dhanala&mi Roto Spinners भी एक है। कंपनी की तरफ से एक शेयर पर एक शेयर बोनस दिया जाएगा। आइए डीटेल्स में जानते हैं इस स्टॉक के प्रदर्शन के विषय में -

एक्सचेंज को दी जानकारी में Dhanalaxmi Roto Spinners ने बताया है कि एक शेयर पर एक शेयर बोनस दिया जाएगा। कंपनी ने इस बोनस इश्यू के लिए 26 मार्च की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। यानी अगले हफ्ते बुधवार को कंपनी के शेयर एक्स-बोनस स्टॉक के तौर पर ट्रेड करने जा रहे हैं। बता दें, कंपनी पहली बार एक्स-बोनस ट्रेड करने जा रही है।

कंपनी ने पहली बार निवेशकों को 2022 में डिविडेंड दिया था। तब कंपनी ने एक शेयर पर एक रुपये का डिविडेंड दिया था।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

एमपी बोर्ड पांचवीं और आठवीं की कॉपी जांचने का काम 80प्रतिशत पूरा

भोपाल। प्रदेश के पांचवीं व आठवीं की बोर्ड परीक्षा का परिणाम अप्रैल के दूसरे सप्ताह में घोषित होने की संभावना है। प्रदेश भर के सरकारी व निजी स्कूलों के करीब 25 लाख विद्यार्थी परिणाम के इंतजार में है।

यह परिणाम 30 मार्च को आना था, लेकिन अब तक 80 प्रतिशत उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन का कार्य पूरा हुआ है। मूल्यांकन कार्य 24 मार्च तक समाप्त करना था। अब तीन दिन शेष है। ऐसे में मूल्यांकन कार्य पूरा होना संभव नहीं है।कॉपी जांचने में क्यों हो रहे देरी

वहीं शिक्षक मूल्यांकन केंद्र नहीं पहुंच रहे हैं। इस कारण उत्तरपुस्तिकाओं को जांचने का काम नहीं पूरा हो पा रहा है। राज्य शिक्षा केंद्र ने जो समय-सारिणी तय किया था। उसके हिसाब से मार्च के अंत तक पांचवीं व आठवीं का परिणाम

आना था, लेकिन अब तक 20 फीसद उत्तरपुस्तिकाओं को जांचना बाकी है।

निजी स्कूलों के अंग्रेजी माध्यम के चार लाख विद्यार्थियों की उत्तरपुस्तिकाओं को जांचने के लिए सरकारी स्कूल में शिक्षक नहीं मिल रहे हैं। इस कारण निजी स्कूलों के शिक्षकों को मूल्यांकन कार्य में लगाया गया है।

राजधानी के चार मूल्यांकन केंद्रों पर 834 शिक्षकों को साढ़े तीन लाख उत्तरपुस्तिकाओं को जांचने के लिए लगाया गया है। इसमें पांचवीं की एक लाख 26 हजार और आठवीं की दो लाख पांच हजार उत्तरपुस्तिकाएं हैं। जिनके मूल्यांकन का कार्य चल रहा है।नेटवर्क की समस्या के कारण देरी

शिक्षकों का कहना है कि मूल्यांकन के बाद अंकों को ऑनलाइन प्रविष्टि करने के कारण रिजल्ट तैयार करने में देरी होगी। शिक्षकों को एक-एक बच्चे का अंक ऑनलाइन भरना पड़ रहा है। नेटवर्क की समस्या के कारण टैबलेट से अंकों को ऑनलाइन भरने में परेशानी हो रही है।

मूल्यांकन केंद्र ही नहीं पहुंचे 12 शिक्षक

जिले के जहांगीराबाद स्थित शासकीय कन्या उमावि, प्रोफेसर कॉलोनी स्थित विद्या विहार स्कूल, सरोजिनी नायडू कन्या स्कूल और फंदा ग्रामीण के 25वीं बटालियन स्कूल में मूल्यांकन केंद्र बनाए गए हैं। इसमें करीब 12 शिक्षक मूल्यांकन के लिए नहीं पहुंच रहे हैं। इन्हें जिला परियोजना समन्वयक ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

टूटकर खेत में गिरा बिजली का तार, चपेट में आने से दो मासूम बच्चों की मौतज्एमपी के जबलपुर का मामला

जबलपुर। पाटन के सुरैया गांव में शनिवार सुबह दर्दनाक हादसा हो गया। वहां 11 केवी का तार टूटकर गिरा, जिसकी चपेट में आने से दो बच्चों की मौत हो गई। वहीं एक अन्य झुलस गया, जिसका उपचार जारी है।

घटना के बाद ग्रामीणों ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया और शवों को लेकर थाने पहुंच गए। ग्रामीणों द्वारा कुछ देर के लिए पाटन-शहपुरा मार्ग बंद करने की बात भी सामने आ रही है।आक्रोश बढ़ता देख पुलिस और बिजली विभाग के अमले ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों को समझाइश देने में जुटा रहा। इसके बाद पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए मामले की जांच शुरू की। सुरैया हार में रहने वाले सगे भाई-बहन चांदनी (12 वर्ष), प्रशांत (10) और दिलीप रोजाना की तरह सुबह गेहूं के खेत में काम कर रहे थे। जहां उन्होंने देखा कि कुछ मवेशी खेत में घुस रहे हैं, जिन्हें भगाने के लिए तीनों खेत में घुसे, जहां पहले से टूटे पड़े 11 केवी की लाइन के तार में चपेट में आ गए और उन्हें जोरदार करंट लग गया।

पुलिस प्रताड़ना पर उत्तर देते हुए विधानसभा में रो पड़े एमपी के मंत्री

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा में उस समय सन्नाटा छा गया, जब पुलिस प्रताड़ना से जुड़े एक प्रश्न का उत्तर देते हुए मोहन सरकार के राज्यमंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल रो दिए। भावुक पटेल पहले तो उत्तर ही नहीं दे पाए, कुछ देर बाद संभले और जवाब दिया।

प्रश्न रीवा जिले के सेमरिया से कांग्रेस विधायक अभय मिश्रा और उनके पुत्र विभूति नयन मिश्रा के ऊपर फर्जी प्रकरण बनाने को लेकर था। प्रश्न पूछते-पूछते भावुक मिश्रा ने यहां तक कह दिया कि मेरा बेटा आत्महत्या कर लेगा। हमारी क्या औकात है। कांग्रेस के सभी सदस्यों ने मिश्रा का समर्थन करते हुए पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए।सदस्यों की भावना को ध्यान में रखते हुए अंततः सदन में मंत्री ने संबंधित थाना प्रभारी अवनीश पांडेय को निलंबित करने और उच्च स्तरीय जांच कराने की घोषणा की।

मध्य प्रदेश के इन तीन संभागों में बारिश और ओलावृष्टि के आसार

भोपाल। अलग-अलग स्थानों पर बनी मौसम प्रणालियों के प्रभाव से प्रदेश के कुछ शहरों में गरज-चमक के साथ वर्षा हो रही है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक शनिवार को रीवा, जबलपुर, शहडोल संभाग के जिलों में वर्षा होने की संभावना है। इस दौरान कहीं-कहीं ओले भी गिर सकते हैं। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार बिहार, छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और सिक्किम में बिजली, तेज हवाएं (40-60 किमी प्रति घंटे) और ओलावृष्टि जबकि भारी वर्षा के साथ गंगीय पश्चिम बंगाल, झारखंड और ओडिशा में 21 मार्च, 2025 की दोपहर से रात के समय तक होने की संभावना है।स्काइमेट वेदर के अनुसार पूर्वी और मध्य भारत में बेमौसम बारिश और आंधी-तूफान के साथ ओलावृष्टि, बिजली चमकने और तेज हवाएं चलेंगी।

अगले 48 घंटों में बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में तेज गतिविधियां देखने को मिलेंगी।

रविवार से विपरीत दिशाओं की हवाओं का सम्मिलन वाली द्रोणिका के भी कमजोर पड़ने की संभावना है।

इस वजह से रविवार से मौसम धीरे-धीरे साफ होने लगेगा। बादलों के छंट जाने से दिन के तापमान में भी कुछ बढ़ोतरी होने लगेगी।

झारखंड के लिए मौसम अलर्ट

अगले कुछ घंटों के दौरान बोकारो, चतरा, देवघर, धनबाद, दुमका, गढ़वा, गिरिडीह, गोड्डा, गुमला, हज़ारीबाग़, जामताड़ा, खूंटी, कोडरमा, लातेहार और लोहरदगा में हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ेंगी।अगले 24 घंटों के दौरान, पश्चिम बंगाल, झारखंड और दक्षिण बिहार के कुछ हिस्सों में तेज हवाओं और बिजली गिरने के साथ हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं।

पिछले 24 घंटों के दौरान पश्चिम बंगाल के गंगा के मैदानी इलाकों, बिहार, झारखंड और पूर्वी मध्य प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ छींटे पड़े।रविवार से मौसम साफ होने की संभावना है। उधर शुक्रवार को सबसे अधिक 37.6 डिग्री सेल्सियस तापमान खरगोन में दर्ज किया गया।

रात का सबसे कम 14.6 डिग्री सेल्सियस तापमान राजगढ़ में रिकार्ड किया गया। हिल स्टेशन पचमढ़ी में रात का पारा 15.2 डिग्री सेल्सियस पर रहा।

पिछले 24 घंटों के दौरान शुक्रवार सुबह साढ़े आठ बजे तक प्रदेश में सबसे अधिक ब्यौहारी में 87 मिलीमीटर वर्षा हुई।मौसम विज्ञान केंद्र के विज्ञानी अभिजीत चक्रवर्ती ने बताया कि वर्तमान में मध्य प्रदेश के मध्य में हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात बना हुआ है।

इसके अतिरिक्त दक्षिणी छत्तीसगढ़ से लेकर कर्नाटक तक द्रोणिका (विपरीत दिशाओं की हवाओं का सम्मिलन) बनी हुई है। इस वजह से पूर्वी एवं पश्चिमी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं वर्षा हो रही है। मौसम विशेषज्ञ अजय ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ अब कमजोर पड़कर आगे बढ़ चुका है।

दिल्ली का मौसम अपडेट

होली के बाद से राष्ट्रीय राजधानी में मौसम सुहाना बना हुआ है, जिससे नागरिकों को कुछ राहत मिली है। जैसे-जैसे सप्ताह खत्म होने के करीब आ रहा है, दिल्ली/एनसीआर में तापमान में लगातार वृद्धि होने की उम्मीद है।

भारतीय मौसम विभाग ने पिछले 24 घंटों के दौरान शहर भर में न्यूनतम और अधिकतम तापमान में वृद्धि देखी है। मौसम विभाग ने आज यानी 21 मार्च 2025 को आसमान साफ रहने का अनुमान लगाया है।पिछले 24 घंटों के दौरान 18 किलोमीटर प्रति घंटे से कम की गति से उत्तर-पश्चिमी हवाएँ चलीं।

प्री-मानसून मेंटेनेंस की तैयारी, अप्रैल और मई की गर्मी में बिजली कटौती के तैयार रहे एमपी वाले

ग्वालियर। गर्मी आ गई है। हर साल की तरह बिजली कंपनी प्री मानसून मेंटेनेंस में जुटने वाली है। मध्य प्रदेश के ग्वालियर से खबर है कि इस बार यह मेंटेनेंस हर साल जैसा न होकर कुछ अलग होगा।

इस बार मेंटेनेंस के लिए एक फिक्स समय पर बिजली सप्लाई बंद रखने का निर्णय लिया जा सकता है। वह फिक्स समय सुबह नौ से दोपहर एक बजे तक होगा। यानी अप्रैल से मई तक अलग-अलग इलाकों में जो कटौती होगी, वह इन्हीं चार घंटों में होगी।लोगों की सहूलियत के लिए बनाया शेड्यूल

बिजली कंपनी के शहर वृत्त के महाप्रबंधक नितिन मांगलिक ने बताया कि भीषण गर्मी के पूर्वानुमान को देखते हुए इस बार लोगों की सहूलियत के लिए मेंटेनेंस का ऐसा शेड्यूल तैयार किया जाएगा।

दोपहर दो बजे के बाद जब तापमान ज्यादा रहता है, तब शटडाउन नहीं लिया जाए। दो माह तक अलग-अलग इलाके की करीब तीस से पचास हजार की आबादी रोज चार घंटे घोषित बिजली कटौती झेलेगी।

शनिवार को पांच फीडर पर गुल रहेगी बिजली नगर संभाग पूर्व के पांच फीडर क्षेत्रों में शनिवार को बिजली गुल रहेगी। मेला फीडर, इंद्रमणी नगर, सुरेश नगर फीडर पर दोपहर 12 बजे से शाम छह बजे तक बिजली गुल रहेगी। इससे इंद्रमणी नगर, न्यू विवेक नगर, दुल्लपुर गांव, पंचशील नगर, नदीपार टाल, तृप्ती नगर तरुण बिहार कालोनी सहित अन्य क्षेत्र प्रभावित रहेंगे। गुलमोहर व विवेकानंद फीडर पर सुबह 11 बजे से दोपहर एक बजे तक बिजली गुल रहेगी। इससे गुलमोहर सिटी, ग्रीन पार्क, ओहदपुर, यशोदा रेजीडेंसी, लोटस विला, विवेकानंद नीडम सहित अन्य क्षेत्र प्रभावित रहेंगे।

कुत्तों ने दो साल की मासूम को बनाया शिकार, इंदौर में हर महीने 4 से 5 हजार डॉग बाइट केस

इंदौर। इंदौर के पंचकुइया राम मंदिर परिसर में 19 मार्च को एक दर्दनाक घटना घटी, जब दो साल की बच्ची पर कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया। बच्ची को घसीटा जाने लगा, उसकी आंख पर एक कुत्ते ने हमला किया और दूसरे कुत्ते ने उसके सिर को बुरी तरह फाड़ दिया। मासूम की चीखें सुनकर उसकी मां दौड़ी और कुत्तों से भिड़ गई। मां ने एक कुत्ते के जबड़े से बच्ची का सिर निकाला और उसे संभालते हुए कुत्तों को भगाने की कोशिश की, इस दौरान वह भी घायल हो गई। वहां मौजूद अन्य लोगों ने कुत्तों को पत्थरों और डंडों से भगाया। बच्ची को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने 35 टांके लगाए। अब उसकी हालत खतरे से बाहर है, लेकिन ठीक होने में एक माह का समय लगेगा। अस्पतालों में भटकते परिजन

घटना के बाद बच्ची के माता-पिता उसे पहले छत्रीपुरा स्थित शिवम हॉस्पिटल ले गए, लेकिन वहां डॉक्टर नहीं थे। इसके बाद वे क्लॉथ मार्केट हॉस्पिटल गए, लेकिन वहां भी सीनियर डॉक्टर नहीं मिले। फिर टॉवर चौराहा स्थित एप्पल हॉस्पिटल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने 80 हजार रुपये का खर्च बताया, जिससे परिजन आर्थिक तंगी के कारण एमवाय अस्पताल गए। यहां मुफ्त इलाज मिला, जहां डॉक्टरों ने बताया कि बच्ची के सिर की ऊपरी त्वचा नोच दी गई है और आंख के पास गहरा घाव है। बच्ची को एंटी रेबीज इंजेक्शन भी दिया गया है।

मंदिर परिसर और आसपास के इलाकों में आवारा कुत्तों का आतंक मचा हुआ है। यहां 50 से ज्यादा खूंखार कुत्ते रहते हैं, जो श्रद्धालुओं और गोशाला की गायों-बछड़ों पर हमले कर चुके हैं। 19 मार्च को ही तीन श्रद्धालुओं को कुत्तों ने काटा, और पिछले 24 घंटों में सात लोग इन कुत्तों के शिकार हो चुके हैं। इस घटना के बाद महामंडलेश्वर रामगोपालदासजी महाराज ने नगर निगम कमिश्नर और मेयर को फोन कर कार्रवाई की मांग की और कुत्तों के लिए शहर से बाहर बड़े आश्रय स्थल बनाने की अपील की है।

पारिवारिक विवाद के बाद सिक्योरिटी गार्ड ने खुद को मारी गोली, मौत

इंदौर। इंदौर के खजराना क्षेत्र में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई, जहां एक सिक्योरिटी गार्ड ने पारिवारिक विवाद के बाद अपनी लाइसेंसी बंदूक से खुद को गोली मार ली और उसकी मौत हो गई। यह घटना शुक्रवार सुबह करीब 8 बजे वैभव लक्ष्मी नगर में हुई। घायल सिक्योरिटी गार्ड की पहचान राम मनोहर भदौरिया के रूप में हुई है, जो एक गार्डन में नाइट ड्यूटी करते थे। सुबह जब वह घर लौटे तो किसी पारिवारिक मुद्दे पर कहासुनी हो गई, जिसके बाद उन्होंने अपनी 12 बोर की लाइसेंसी बंदूक से खुद को गोली मार ली। गोली लगने से हालत गंभीर, अस्पताल में भर्ती

राम मनोहर भदौरिया ने जैसे ही खुद को गोली मारी, तेज आवाज सुनकर परिजन तुरंत उनके पास पहुंचे। उन्होंने देखा कि गोली उनके जबड़े में लगी है और उनकी हालत गंभीर है। परिवार ने तत्काल उन्हें इंदौर के बॉम्बे अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए तत्काल उपचार शुरू कर दिया। डॉक्टरों के अनुसार, गोली जबड़े में लगने के कारण उनकी मौत हो गई।

पुलिस ने जब्त की बंदूक, शुरू की जांच- घटना की सूचना मिलते ही खजराना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने राम मनोहर भदौरिया की लाइसेंसी 12 बोर की बंदूक जब्त कर ली है और प्रारंभिक जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में इस घटना का मुख्य कारण पारिवारिक विवाद माना जा रहा है। हालांकि, मामले की पूरी सच्चाई जानने के लिए पुलिस हर पहलू की गहनता से जांच कर रही है।

भिंड के रहने वाले हैं राम मनोहर भदौरिया- राम मनोहर भदौरिया मूल रूप से मध्य प्रदेश के भिंड जिले के निवासी हैं। उनके परिवार में उनकी पत्नी, एक बेटा और एक बेटी हैं। बताया जा रहा है कि वह लंबे समय से इंदौर में रहकर सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी कर रहे थे। इस घटना से परिवार के सदस्य सदमे में हैं और उनकी हालत को लेकर चिंतित हैं। पुलिस परिजनों से भी बातचीत कर रही है ताकि घटना के पीछे की पूरी सच्चाई सामने आ सके।

प्रदेश में स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 के जमीनी सत्यापन की प्रक्रिया जारी

इंदौर। स्वच्छता एक संकल्प है, जिसे मध्यप्रदेश में एक जन आंदोलन बनाया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छता संकल्प को प्रदेश ने आत्मसात किया है। स्वच्छता आंदोलन के परिणाम दिखाई देने लगे हैं। देश और प्रदेश में हर वर्ष की तरह दुनिया की सबसे बड़ी स्वच्छता प्रतियोगिता स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 जारी है।

स्वच्छ सर्वेक्षण में प्रदेश के शहर बहुत गंभीरता के साथ अपनी भागीदारी कर रहे हैं। स्वच्छ सर्वेक्षण के दौरान केन्द्र सरकार की सर्वेक्षण टीमें शहरों में स्वच्छता व्यवस्थाओं का जायजा लेती हैं।

इसमें स्वच्छता की आधारभूत तैयारियों का परीक्षण, खुले में शौच से मुक्ति और मल-जल का निस्तारण (ओडीएफ++ और वॉटर+) कचरा मुक्त शहरों के लिए स्टार रेटिंग (1,3 5 व 7 स्टार रेटिंग) सहित कुल तीन परीक्षण किए जाते हैं। अभी प्रदेश में आधारभूत तैयारियों का परीक्षण जारी है, जिसमें 269 शहरों में परीक्षण पूर्ण हो चुका है, शेष शहरों के परीक्षण के लिये टीमें पहुँच रही हैं। इसके बाद ओडीएफ++ और स्टार रेटिंग के परीक्षण शुरू होंगे।

मध्यप्रदेश के नगरीय निकाय वर्ष भर शहरी स्वच्छता को सँवारने में जुटे रहते हैं। प्रदेश में नियमित कचरा संग्रहण, परिवहन और निपटान के लिए प्रभावी तंत्र विकसित किया गया है। इससे शहरों की स्वच्छता सुनिश्चित की जा रही है। इसके साथ खुले में शौच पर प्रतिबंध को सफल बनाने के बाद शहरों को ओडीएफ़++ और वॉटर+ प्रमाण-पत्र दिलाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग प्रदेश के नागरिकों, युवाओं और जन-प्रतिनिधियों से शहरों को स्वच्छ बनाने में सहयोग की निरंतर अपील कर रहा है। शहरों का बदला हुआ स्वरूप शासन के प्रयासों की सफलता को प्रदर्शित कर रहा है।

मध्य प्रदेश में सिंचाई के रकबे में हुई अभूतपूर्व वृद्धि

जल संसाधन मंत्री के उत्तर के पश्चात विभाग की रूपये 09 हजार 183 करोड़ 21 लाख 58 हजार की अनुदान मांगें ध्वनि मत से पारित

इंदौर। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने विधानसभा बजट सत्र में विभाग की अनुदान मांगों पर हुई चर्चा पर कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में मध्य प्रदेश में सिंचाई के रकबे में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। वर्ष 2003 में जहां प्रदेश में लगभग 7.5 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई हो रही थी, वही वर्तमान में जल संसाधन एवं नर्मदा घाटी विकास विभाग की विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं के माध्यम से 50 लाख हेक्टेयर में सिंचाई क्षमता विकसित की जा चुकी है। आगामी 02 वर्षों में इसे बढ़ाकर 65 लाख हेक्टेयर एवं अगले 05 वर्षों में 65 लाख हेक्टेयर से बढ़ाकर 100 लाख हेक्टेयर कर लेंगे। जल संसाधन विभाग प्रभावी एवं कुशल प्रबंधन के माध्यम से कृषि उत्पादन को बढ़ाने के लिए बांध निर्माण एवं सिंचाई प्रणाली के अभूतपूर्व विकास के द्वारा राज्य के विकास में महती भूमिका निभा रहा है। हम जल संसाधनों का अधिकतम उपयोग कर आधुनिक एवं उन्नत सिंचाई प्रणाली के माध्यम से किसानों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के लिये दृढ़ संकल्पित है। प्रदेश में प्रत्येक खेत तक पानी पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है।

मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि मध्यप्रदेश में जल के इष्टतम उपयोग कर सिंचाई क्षमता की दक्षता बढाई गई है। ऐसे क्षेत्र जहां खुली नहरों के माध्यम से सिंचाई संभव नहीं थी वहां भी उद्वहन कर सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। सिंचाई प्रबंधन में मध्यप्रदेश देश में सर्वोच्च स्थान पर है। उत्कृष्ट जल प्रबंधन के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हेतु मध्यप्रदेश को राष्ट्रीय जल अवार्ड महामहिम उपराष्ट्रपति द्वारा जून-2023 को प्रदान किया गया। मध्यप्रदेश में पाईप आधारित सिंचाई प्रणाली के माध्यम से किसान के 01 हेक्टेयर से 2.5 हेक्टेयर चक तक सिंचाई हेतु पानी पहुंचाया जा रहा है। ऐसा करने वाला मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है।

श्री सिलावट ने कहा कि प्रदेश में 25 वृहद, 114 मध्यम एवं 05 हजार 692 लघु सिंचाई परियोजनाएं अर्थात कुल 5 हजार 830 परियोजनाएं पूर्ण है। इस वर्ष निर्माणाधीन वृद्ध, मध्यम् एवं लघु सिंचाई परियोजनाओं से दिसम्बर-2024 तक लगभग 02 लाख 70 हजार हेक्टेयर क्षेत्र सृजन किया गया है। वर्तमान में जल संसाधन विभाग के अन्तर्गत 42 वृद्ध, 68 मध्यम् एवं 381 लघु सिंचाई परियोजनाऐं निर्माणाधीन हैं, जिनकी कुल लागत 89 हजार 30 करोड़ रूपये है। इन परियोजनाओं के शेष कार्य पूर्ण होने पर लगभग 25 लाख हेक्टेयर सिंचाई क्षमता में वृद्धि होगी। वर्तमान स्थिति में इन निर्माणाधीन परियोजनाओं से लगभग 10 लाख 61 हजार हेक्टेयर सिंचाई क्षमता विकसित की जा चुकी है।वित्तीय वर्ष 2015-16 में भारत सरकार द्वारा सिंचाई क्षेत्र में वृद्धि हेतु उपयोगी जल संसाधन एवं सिंचाई प्रक्रिया में बेहतर वैज्ञानिक प्रगति लाने की दृष्टि से ÷प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना÷ प्रारंभ की गई थी। इस योजना में आदिवासी एवं सूखाग्रस्त क्षेत्रों की सिंचाई परियोजनाओं का चयन किया गया है। सरकार द्वारा बांधों की खोई हुई जल भराव क्षमता को पुनः प्राप्त करने के लिये नीति बनाई गई है, जिसके अन्तर्गत बड़े जलाशयों से गाद को निकालकर उसमें से मिट्टी एवं रेत को पृथक् किया जावेगा। प्राप्त मिट्टी किसानों को प्रदान की जावेगी, जिससे उनके खेतों की उपजाऊ क्षमता बढ़ेगी। जलाशयों की जल संधारण क्षमता में वृद्धि होगी। साथ ही निकलने वाली रेत से राजस्व में भी बढ़ोतरी होगी। मंत्री श्री सिलावट ने बताया कि मध्यप्रदेश में देश की दो बड़ी नदी लिंक परियोजनाओं पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। केन-बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना एक महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय परियोजना है, जिसमें केन नदी पर दौधन बांध एवं लिंक नहर का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री द्वारा 25.12.2024 को स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्म दिवस पर दौधन बांध की आधारशिला रखी गई। रू. 44 हजार 605 करोड़ लागत की इस परियोजना के पूर्ण होने पर मध्यप्रदेश के सूखाग्रस्त बुन्देलखण्ड क्षेत्र के 08 लाख 11 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा तथा प्रदेश की 44 लाख आबादी को पेयजल सुविधा प्राप्त होगी, साथ ही परियोजना से 103 मेगावा बिजली का उत्पादन भी होगा, जिसका पूर्ण उपयोग मध्यप्रदेश करेगा।

इंदौर-पीथमपुर इकोनामिक कॉरिडोर में मिली पहली सहमति

इंदौर। इंदौर और पीथमपुर के बीच बनने जा रहे बहुप्रतीक्षित इकोनोमिक कॉरिडोर को लेकर अब किसानों की सहमति मिलने की शुरुआत हो चुकी है। यह सहमति मिली है ग्राम सिन्दोड़ी की श्रीमती ममता गुप्ता से, वो पहली भूमि स्वामी बनीं जिन्होंने खसरा नंबर 176/2,176/1 और 185/3 की अपनी 9 बीघा जमीन के बदले अधिकतम विकसित भूमि लेने पर सहमति दी। इस अवसर पर वे मिठाई लेकर एमपीआईडीसी (मध्य प्रदेश औद्योगिक विकास निगम) के कार्यालय पहुँचीं और खुशी जाहिर की।

किसानों की बड़ी जीत – 60त्न विकसित भूमि का मिलेगा हिस्सा- एमपीआईडीसी के कार्यकारी निदेशक श्री राजेश राठौड़ ने बताया कि प्रदेश सरकार ने हाल ही में कैबिनेट बैठक में किसानों की प्रमुख मांग को स्वीकार करते हुए यह ऐतिहासिक निर्णय लिया कि इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर योजना के अंतर्गत अपनी भूमि देने वाले किसानों को मुआवजे के तौर पर 60 प्रतिशत विकसित भूमि का आवंटन किया जाएगा। यह निर्णय मध्य प्रदेश निवेश क्षेत्र प्रबंधन अधिनियम 2013 और नियम 2016 के तहत लिया गया है, जो किसानों को उनकी भूमि के बदले अधिकतम लाभ सुनिश्चित करता है।

बनेगा विश्वस्तरीय इकोनोमिक कॉरिडोर- इंदौर-पीथमपुर इकोनोमिक कॉरिडोर के विकसित हो जाने से हवाई अड्डे से पीथमपुर तक का सफर आधे समय में पूरा किया जा सकेगा। इस कॉरिडोर के तहत क्षेत्रीय और शहरी विकास के साथ-साथ करीब 5 लाख लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। साथ ही, 1.15 लाख गरीब परिवारों को किफायती आवास भी प्रदान किए जाएंगे।

विकास के हर पहलू पर ध्यान- योजना के तहत व्यावसायिक, आवासीय, औद्योगिक, मिश्रित उपयोग के क्षेत्रों का विकास किया जाएगा। इसके अलावा, अस्पताल, स्कूल, कॉलेज, पुस्तकालय, सामुदायिक केंद्र, पुलिस स्टेशन, फायर स्टेशन, पार्क, उद्यान, सिटी फॉरेस्ट, स्टेडियम, खेल मैदान, स्मार्ट सड़कें, साइकिल ट्रैक, फुटपाथ, स्मार्ट बस स्टॉप, स्मार्ट ट्रैफिक प्रबंधन, ईवी चार्जिंग स्टेशन, सार्वजनिक वाई-फाई, सौर पैनल, सीसीटीवी निगरानी और रीसाइकल्ड पानी के उपयोग की व्यवस्था भी की जाएगी।

विस्तृत अधोसंरचना और स्मार्ट सुविधाएँ- सड़क नेटवर्क में 75 मीटर और 60 मीटर चौड़ी मुख्य सड़कें, 9 मीटर चौड़ी आंतरिक सड़कें, बरसाती पानी की निकासी के लिए नालियां, भूमिगत विद्युत वितरण लाइनें, स्मार्ट एलईडी स्ट्रीट लाइट्स, गैस पाइपलाइन, जल आपूर्ति नेटवर्क, सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट, और साइनेज का विश्वस्तरीय ढांचा भी इस योजना का हिस्सा होगा।

किसानों ने जताया मुख्यमंत्री का आभार- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का किसान समुदाय ने हृदय से आभार प्रकट किया। किसानों ने अपनी भावनाएँ साझा करते हुए कहा – ÷मुख्यमंत्री जी, आपने रंगपंचमी के दिन हमारी दिवाली कर दी।÷ दरअसल, रंगपंचमी के दिन ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किसानों से इंदौर एयरपोर्ट पर भेंट की थी।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृगधरम वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वह्निनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम, वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकर !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के द्वारा धन्यवाद यात्रा निकाली गई

उज्जैन । धार्मिक स्थलों पर शराब विक्रय का पूर्ण प्रतिबंध पर मा. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी द्वारा ऐतिहासिक निर्णय को लेकर धर्म प्रेमी जनता के साथ-साथ संत समाज, शहरवासियों और विशेष कर महिलाओं में हर्ष व्याप्त है। इसी को लेकर मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा आज धन्यवाद यात्रा एवं हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत की गई । जो निरंतर स्वैच्छिक संगठनों के के माध्यम से शहर के अलग-अलग स्थान पर हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा जिसमें बड़ी संख्या में आम जनता ने सहभागिता निभाकर इस निर्णय के पक्ष में अपना समर्थन दिया है।

परिषद के विकासखंड समन्वयक अरुण व्यास ने जानकारी देते हुए बताया कि शहीद पार्क से प्रारंभ हुई धन्यवाद यात्रा घास मंडी चौराहा,माधव नगर हॉस्पिटल,गुरुद्वारा एवं इंदिरा गांधी चौराहा होते हुए शहीद पार्क में संपन्न हुई। यात्रा का शुभारंभ नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव ने झंडी दिखाकर किया। संभाग शिव प्रसाद मालवीय जय दीक्षित जिला समन्वयक, अतिथियों ने यात्रा को ध्वज दिखाकर रवाना किया गया

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नगर निगम सभापति महोदया द्वारा मा .मुख्यमंत्री जी के निर्णय की प्रशंसा की एवं शहर में धार्मिक वातावरण निर्मित होगा साथ ही शराब बंदी से उज्जैन नगरी को धार्मिक नगरी मान्यता मिलेगी। बाबा महाकाल की कृपा से पूरे शहर में धार्मिक वातावरण निर्मित है और शराब बंदी के निर्णय से हम सब उत्साह और उमंग से भरे हुए हैं सनातन धर्म की रक्षा तथा लोगों में धार्मिक भावना का जागरण होगा।

शिव प्रसाद मालवीय संभाग समन्वयक मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद ने कार्य योजना एवं परिचय बताते शराबबंदी के निर्णय के लिए जन जागरूकता कार्यक्रम जैसे चौपाल संवाद निबंध प्रतियोगिता वाद विवाद प्रतियोगिता आदि आयोजित किया जा रहे हैं उसी क्रम में यह यात्रा का आयोजन किया है।

धन्यवाद यात्रा आयोजन में ब्रह्माकुमारी ईश्वरी विश्वविद्यालय, शासकीय नर्सिंग कॉलेज,आशा कार्यकर्ता,गायत्री परिवार,जन शिक्षण संस्थान,परिषद की नवांकुर संस्थाएं संकल्प समर्थ ऑर्गेनाइजेशन व ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति दताना,देवी अवंतिका सामाजिक युवा कल्याण संस्था, इनीशिएटिव समिति,संवाद शोध संस्थान, सुरभि जन कल्याण समिति, देव संजीवनी सामाजिक कल्याण संस्था, खेल एवं युवा कल्याण विभाग,शिप्रा उपभोक्ता संरक्षण संस्था,खादी ग्रामोद्योग महिला उत्थान समिति, मां हरसिद्धि समग्र उत्थान,श्री हरि शरणम समिति ग्राम विकास प्रस्फुटन एवं मेंटर की अहम भूमिका रही। यात्रा में परिषद के नेटवर्क से जुड़े छात्र-छात्राओं, प्रस्फुटन समिति सदस्यों व सामाजिक संस्थाओं के साथ-साथ शहर की धर्म प्रेमी जनता ने भी सहभागिता निभाई। कार्यक्रम का संचालन डॉ.राजेश रावल ने किया एवं आभार विजय शर्मा ने माना।

दत अखाड़ा पर श्री महंत पीर अमरपुरीजी महाराज की पुण्य तिथी पर एकादश ब्राह्मणों द्वारा लघु रुद्राभिषेक कर भंडारे का आयोजन हुआ

उज्जैन। शिप्रा नदी स्थित पंचदशनाम जूना दत अखाड़ा पर ब्रह्मलीन श्री महंत पीर अमरपुरीजी महाराज पुण्य तिथि पर आज एकादश ब्राह्मणों द्वारा लघु रुद्राभिषेक कर भंडारे का आयोजन किया।कार्यक्रम में विशेष रूप से अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री हरि गिरि जी महाराज उपस्थित हुए।

इस दौरान बड़ी संख्या में उज्जैन सहित भारत के अलग-अलग राज्यों से आए साधु संतों ने हिस्सा लिया और ब्रह्मलीन अमरपुरी जी महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री श्री 1008 महंत पीर सुंदरपुरी जी महाराज एवम रमता पंच श्री महंत आनंद पूरी जी महाराज के सानिध्य मे मंदिर पर पूजा अर्चन एवम महा आरती की गई जिसके बाद भंडारे का आयोजन हुआ। पंडित लोकेश शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि ब्रह्मलीन संत अमरपुरी महाराज की जयंती पर विशेष श्रृंगार कर आरती की गई। मंदिर को आकर्षक फूलों और विद्युत साज से सजाया गया। पंडितों द्वारा मंत्र उच्चारण के साथ विधि विधान से पूजन अभिषेक कर्म आरती की गई। सभी आने वाले भक्तों को दत्तात्रेय भगवान के दर्शन कर भंडारे का लाभ लिया। श्री गुरु दत्ता अखाड़े में भगवान दत्तात्रेय की अति प्राचीनचरण पादुका है जो भगवान आदि गुरु शंकराचार्य जी द्वारा स्थापित की गई हैचरण पादुका का पंचामृत पूजनदूध धारा से अभिषेकवैदिक विद्वानों के द्वारा किया गया। इस मौके पर श्री महंत दर्शन गिरी महाराज, श्री महंत नारायण गिरी जी महाराज, श्री महंत हरि पुरी जी महाराज, श्री महंत केदारपुर जी महाराज, श्री महंत महेश पुरी जी महाराज आदि बड़ी संख्या में साधु संत एवं श्रद्धालु कार्यक्रम में शामिल हुए।

प्रभु प्रेमी संघ परिवार का फाग महोत्सव आज

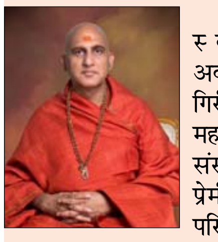

उज्जैन। स्वामी अवधेशानंद गिरी जी महाराज की संस्था प्रभु प्रेमी संघ परिवार के अनुयायियों द्वारा आज 23 मार्च रविवार को शाम 4:30 बजे फाग महोत्सव का आयोजन किया जाएगा।

संस्था अध्यक्ष अजय पाण्डे ने बताया कि लोकमान्य तिलक (लोटि स्कूल) रेलवे स्टेशन के सामने नीलगंगा में फुलों एवं गुलाल से फाग महोत्सव मनाया जाएगा। फाग महोत्सव में सत्संग, भजन एवं फुलों से होली खेली जायेगी।

पुलिस पेंशनर संघ का होली मिलन समारोह आज

उज्जैन। देवास रोड स्थित पुलिस सामुदायिक भवन पर उज्जैन पुलिस पेंशनर संघ द्वारा आज होली मिलन समारोह का कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। अध्यक्ष प्रमोद सिंह भदोरिया एवं प्रांतीय मीडिया प्रभारी अखिलेश तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस पेंशनर संघ द्वारा आज रविवार 23 मार्च को 5ः00 बजे से रात्रि 9ः00 बजे तक होली मिलन समारोह का कार्यक्रम का आयोजन होगा। जिसमें पुलिस विभाग से रिटायर्ड सभी अधिकारियों कर्मचारियों भाग लेंगे उनके साथ लायंस क्लब उज्जैन के सदस्य भी होली मिलन समारोह में सम्मिलित करेंगे।

माधव कॉलेज के विद्यार्थियों ने इस कॉलेज को गौरवान्वित किया है- डॉ भगवतीलाल राजपुरोहित

माधव कॉलेज में हुआ पूर्व छात्र सम्मेलन

उज्जैन। माधव कॉलेज में श्रेष्ठ शिक्षक और विद्यार्थी रहे हैं। मैं जिस समय माधव कॉलेज में अध्ययन करता था, तब पद्मश्री डॉ शिवमंगल सिंह सुमन इस कॉलेज के प्राचार्य थे। वे माधव कॉलेज को हवेली कहते थे। सुमनजी ने कहा था कि परिश्रम कभी व्यर्थ नहीं जाता है। उस समय के गुरुओं का हमें आशीर्वाद मिलता रहा है। वे गुरु सूचना नहीं, ज्ञान देते थे।

यह उद्गार प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस माधव कॉलेज में पूर्व छात्र सम्मेलन में मुख्य अतिथि माधव कॉलेज के पूर्व छात्र पद्मश्री डॉ भगवतीलाल राजपुरोहित ने व्यक्त किये। विशेष अतिथि माधव कॉलेज के पूर्व प्राचार्य और पूर्व छात्र डॉ एल एन वर्मा ने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे इस कॉलेज में छात्र और प्राध्यापक तथा प्राचार्य के रूप में कार्य करने का अवसर मिला है। पूर्व प्राध्यापक और कॉलेज के पूर्व छात्र प्रो एम एल घाटिया ने सरल तरीके से अपनी बात बताई। उन्होंने कहा कि पूर्व छात्रों पर माधव कॉलेज का ऋण है। उन्हें अपने कॉलेज के लिए कुछ करना चाहिए। पूर्व छात्र प्रो मंसूर खान ने भी अपने विचार व्यक्त किए। पूर्व छात्र और राष्ट्रीय सेवा योजना के पूर्व स्वयं सेवक दुर्गा शंकर सूर्यवंशी ने कहा कि यहां के विद्यार्थियों ने कई क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा को दिखाया है। पूर्व छात्रा डॉ वीरबाला छाजेड़ ने कहा कि इस कॉलेज से कई विद्यार्थी ऐसे निकले हैं जिन्होंने अपना और इस कॉलेज का नाम रोशन किया है।

प्राचार्य डॉ कल्पना सिंह ने अध्यक्षीय उद्बोधन दिया। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्व छात्र हमारे लिए एक उदाहरण हैं। उनकी भावनाएं हमारे साथ जुड़ी हुई हैं। हम उन सभी का बहुत बहुत स्वागत करते हैं। उनके बिना ये कॉलेज पूर्ण नहीं हो सकता। इस कालेज के प्रति आप का जुड़ाव हमेशा बना रहे, यही हमारी भावना है। इस मौके पर कई पूर्व छात्र छात्र छात्राएं मौजूद रहे। स्वागत वक्तव्य संगठन अध्यक्ष डॉ अल्पना दुभाषे ने दिया। डॉ जफर मेहमूद ने संचालन किया। सचिव प्रो रफ़ीक नागौरी ने आभार व्यक्त किया। डॉ नलिनी तिलकर ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। कोषाध्यक्ष प्रो चिंतामणि सूर्यवंशी ने भी संबोधन दिया। अतिथियों का स्वागत डॉ रवि मिश्र, डॉ मोहन निमोले, डॉ दिनेश जोशी, डॉ पी एस परमार, डॉ मृदुल चन्द्र शुक्ल द्वारा किया गया।

संतों, किसानों ने शासन व सरकार की लैंड पूलिंग योजना को सिरे से खारिज किया

लैंड पूलिंग योजना को लेकर संतों, किसानों तथा अधिकारियों की बैठक संपन्न

उज्जैन। 13 अखाड़े के महंतो तथा प्रशासन के साथ किसानों की बैठक 22 मार्च को हुई। जिसमें संतों, किसानों ने शासन व सरकार की लैंड पूलिंग योजना को सिरे से खारिज कर दिया।

संत महंतों ने एक स्वर में किसानों के हित में बात करते हुए कहा कि सिंहस्थ में जमीन अधिग्रहण जिस प्रकार पूर्व से होती आ रही है उसी प्रकार से करें। किसानों को लैंड पूलिंग योजना बिल्कुल भी मंजूर नहीं है। किसानों तथा विकास प्राधिकरण के सीईओ संदीप सोनी के साथ स्थानीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत डॉ. रामेश्वरदास जी महाराज, उपाध्यक्ष महंत सत्यानंद महाराज, बड़ा उदासीन अखाड़ा, सचिव महंत रामेश्वर गिरी महाराज जूना अखाड़ा, कोषाध्यक्ष महंत भगवान दास महाराज निर्मोही अखाड़ा, दिग्विजय दास निर्वाणी अखाड़ा, दिग्विजय दास दिगंबर अखाड़ा, महंत मंगलदास नया उदासीन अखाड़ा, लाल राज महाराज आदि 13 अखाड़े के संत महंत उपस्थित रहे। सभी ने किसानों का समर्थन किया। प्राधिकरण के सीईओ संदीप सोनी ने विस्तार से योजना को किसानों के समक्ष रखा किंतु किसानों ने ध्वनी मत से उसे खारिज कर दिया। जिसका समर्थन सभी उपस्थित संतों ने भी किया। किसानों की ओर से एडवोकेट अर्पित वर्मा, राहुल शर्मा, आशुतोष उपाध्याय, सुरेंद्र चतुर्वेदी, ललित मीणा, अजय यादव, जीवन सिंह पटेल, तोलाराम पटेल, रामेश्वर पटेल, विक्रम पटेल, देवी सिंह पटेल, गोवर्धन पटेल, जीवन सिंह, पुष्कर यादव, गजेंद्र मारोठिया, राधेश्याम चौधरी, अशोक चौधरी, लीलाधर माली, रमेश माली, मांगीलाल माली, गुड्डू माली, संजय माली, गोविंद शर्मा, रमेश द्विवेदी, नेमीचंद भाटी, रमेश पहलवान आदि किसान प्रतिनिधियों ने किसानों का पक्ष सभी साधु महात्मा तथा उपस्थित अधिकारियों के बीच रखा।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com